

یا امریہ کیا ناہ یا شکر یا قوت یا حنیف
یا منکف یا طہس یا مریم یا حنیف یا آدمی

وَصَلَّى اللَّهُ عَلَى رَسُولِ خَيْرِ عَالَمِينَ مُحَمَّدٍ وَآلِهِ وَصَلَّى عَلَى الْخَضِرَاءِ

$\frac{1}{n} = \frac{1}{n} \Rightarrow \frac{1}{n} = \frac{1}{n}$

عظیم الدین علی اسلام علی
دیوان علی صراف علی

میرزا محمد مصطفی زکات علی
میرزا فتح علی میرزا آقاخان قلی

میرزا قلی محمد علی بیگ
میرزا قلی محمد علی بیگ
میرزا قلی محمد علی بیگ
میرزا قلی محمد علی بیگ

منہج نبیام قعود حضرت علیؑ
ذکر قعود علوی علی
سیرت سیدہ عسینہ و عرقان علی
سیرت -

سید الشہداء عسین خرقان علی
سید الشہداء عسین خرقان علی
احمد دادر جال علی

۴
سب سے زیادہ پیسہ ہوتا ہے

حق سے طلب سدا ہے من نیک
چہ ہر توحید مستان علی

کلیوں میں سے ایک کلی

يا ابا محمد عبد القادر الحسيني والحسيني (عليه السلام) في قصيدته حاشي
 من الله برحمتك يا ذا الجلال والإكرام

و کائنات طریقت عالم میسم ریاضت احسانات لقمہ پر طریقت
جب بیرونی کی ہوا چلے تو کچھ نہیں اور کوس و تکیہ پانی لگانا ہے جسے پانی
لگے بیرونی کی ہوا ہو کوس و تکیہ چو لگنا ہے جب بیرونی کی ہوا چلے اسی طرح
مساوا عمل کرنا ہے بغیر پانی کی ٹوکی حاصل ہو سکتی ہے۔

یا رے یا رخصت

یا اے صبیحہ

[illegible]

اللہ ہوا اللہ ۱۱ روزا پھر صفی ایک تسبیح روزانہ پڑھنی ۱۱ دفعہ پہلے درود
۱۱ دفعہ بعد میں درود شریف پڑھنا ہے۔ عہد ہو یا عورت ہو بیاں کہوں گے وہاں
حافظ ہو گئے کما بل آدمی پڑھے۔ اجازات کے لغیر نہ پڑھیں۔ اللہ ہوا اللہ
تسبیح اس کی طرف پڑھنی ہے اس طرف جو غلطی عروج کر پڑھائی ہو اس میں طرف پڑھنی
جیسی عروج کی پڑھائی ہو اس کے پچھلے کی طرف پڑھنا ہے

الحمد لله الذي جعلنا من عباده المؤمنين
اللهم صل على سيدنا محمد وعلى آل سيدنا محمد الحسن المجتبي يا ابن المرحوم

يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل

يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل

يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل

يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل

يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل

يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل

يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل

يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل

يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل

يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل

يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل يا مفضل

نَفْسًا نَقِيَّةً . وَفِي رُوحٍ وَنَفْسٍ
 رَاحَةٍ . قَدِ انْقَضَتْ . وَفِي رُوحٍ
 اَللّٰهِ عَسَىٰ رُسُوْدُ . وَفِي رُوحٍ اَللّٰهِ
 اَللّٰهُ اَعْمَالُ سَلِيْمٍ . وَفِي رُوحٍ اَللّٰهِ
 اَللّٰهُ اَصْحَابُ

١٠
 ٩
 ٨
 ٧
 ٦
 ٥
 ٤
 ٣
 ٢
 ١

بسم الله الرحمن الرحيم

اَللّٰهُمَّ اِنِّىْ اَسْأَلُكَ بِمَا نَحْنُ فِيْهِ اَوْ اَسْأَلُكَ بِمَا نَحْنُ فِيْهِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

| | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ۷۵ | ۲۱ | ۲۲ | ۲۳ | ۲۴ | ۲۵ | ۲۶ | ۲۷ | ۲۸ | ۲۹ |
| ۳ | ۴۹ | ۱۲ | ۲۵ | ۱۵ | ۲ | | | | |
| ۲۲ | ۱۵ | ۴ | ۲۱ | ۲۲ | ۲۳ | ۲۴ | ۲۵ | ۲۶ | ۲۷ |

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

نومانی کی دنیا ملک رنجہ مارو بر ماندو

| | | |
|-----|-----|-----|
| ۲۲۲ | ۲۲۲ | ۲۲۲ |
| ۲۲۲ | ۲۲۲ | ۲۲۲ |
| ۲۲۲ | ۲۲۲ | ۲۲۲ |

• ملے دھن کا پتہ ان غازی کے بند ہے
 درویش کا نام سر کھیاں دوسرے دوسرے کو سوار
 پتہ دیا دوسرے دوسرے کو دیا

| | | |
|------|------|------|
| ۱۹۵۸ | ۱۹۵۸ | ۱۹۵۸ |
| ۱۹۵۸ | ۱۹۵۸ | ۱۹۵۸ |
| ۱۹۵۸ | ۱۹۵۸ | ۱۹۵۸ |

• ان کی سیاہ کافہ کے ایک کمرے پر حاسدوں
 کے دروازے پر ہاتھ مارا گیا تھا اور ان کی سیموں کو چھو دیا

• داخل محنت رہے ایک دیکھ زور ادا دولت ہونا
 ایکس سرور پر پڑھیں کر رہا ہے ایکس

| | | | |
|----|----|----|----|
| ۱۶ | ۲۲ | ۳۲ | ۴۲ |
| ۱۶ | ۲۲ | ۳۲ | ۴۲ |
| ۱۶ | ۲۲ | ۳۲ | ۴۲ |

• یہ نفس کو رہیں کو سوار پر پڑھیں ایکس
 محنت کے زور پر دیکھ

| | | |
|-----|-----|-----|
| ۳۹۵ | ۳۹۵ | ۳۹۵ |
| ۳۹۵ | ۳۹۵ | ۳۹۵ |
| ۳۹۵ | ۳۹۵ | ۳۹۵ |

• اسم نہ ان کے دھن کا پتہ سرور پر پڑھیں
 پڑھیں کہ یہ سوار پتہ سرور پر پڑھیں
 سوار پر پڑھیں

| | | | |
|------|------|------|------|
| ۱۲۱۱ | ۱۱۱۱ | ۱۱۱۱ | ۱۱۱۱ |
| ۱۲۱۱ | ۱۱۱۱ | ۱۱۱۱ | ۱۱۱۱ |
| ۱۲۱۱ | ۱۱۱۱ | ۱۱۱۱ | ۱۱۱۱ |

• یہ نفس کو رہیں کو سوار پر پڑھیں
 محنت کے زور پر دیکھ

| | | | |
|----|----|----|----|
| ۱۱ | ۱۱ | ۱۱ | ۱۱ |
| ۱۱ | ۱۱ | ۱۱ | ۱۱ |
| ۱۱ | ۱۱ | ۱۱ | ۱۱ |

• یہ نفس کو رہیں کو سوار پر پڑھیں
 محنت کے زور پر دیکھ

یا بدو حقیقت سے

| | | | |
|---|---|---|---|
| ۱ | ۱ | ۱ | ۱ |
| ۱ | ۱ | ۱ | ۱ |
| ۱ | ۱ | ۱ | ۱ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ۱ | ۱ | ۱ | ۱ |
| ۱ | ۱ | ۱ | ۱ |
| ۱ | ۱ | ۱ | ۱ |

سَتَابِي الْهَيْبَةَ تَأْتِيكَ الْوَسَالُ
 سَمِعْتُ وَاسْتَفْتَيْتُ لِكُرِّي فِي مَدْرَسَةٍ
 وَفَعَلْتُ لِسَانِي الْأَقْطَابُ لِهَوَا
 وَهَمُّهُ وَرَأْيُهُ لَمْ يَكُنْ يَتَوَقَّعُ
 تَشْرِيهٌ فَضْلِي مِنْ بَعْدِ تَسْتَرْكِ
 مَعَ قَلَمِ الْبَلَدِيِّ جَمْعًا وَفَيْدَةً
 أَنَا فِي حَقِّكَ التَّزْيِيدُ وَوَدَّ
 أَنَا الْبَارِي الشَّكُّ كُلُّ شَيْءٍ
 تَسَانِي حِلْمُهُ بَطَرٍ عِزٍّ
 وَأُظْلِمَنِي عَلَى سِرِّ تَبْدِيدِهِ
 وَفَرَلَا لِي فِي الْأَقْطَابِ جَمْعًا
 وَكُلُّهُ أُنْقِصْتُ بِتَرْكِ فِي مَجَارٍ
 وَفَرَلَا لِي سِرِّي فِي دِيَارٍ
 وَفَرَلَا لِي فِي فَوْقِ نَارٍ
 وَفَرَلَا لِي فِي فَوْقِ صَيْتٍ
 وَفَرَلَا لِي فِي فَوْقِ حُرْمٍ
 وَفَرَلَا لِي فِي فَوْقِ حُرْمٍ
 وَفَرَلَا لِي فِي فَوْقِ حُرْمٍ

3

2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

[illegible]

1. *Chlorophyll a* (Chl a) is the primary photosynthetic pigment in most plants and algae. It is a green pigment that absorbs light energy in the blue and red regions of the visible spectrum.

1. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 2. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 3. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 4. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 5. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 6. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 7. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 8. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 9. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 10. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

می حالت تیرے نام تو رہو
 جب بڑھعت پس میں شکم میری آسان ہے
 تو تیرے غنیمت کی دیا سا گرنے میرے
 بعد ال حال دور آگے کی ہے حال میرے

کشتال دل تہیہ کی فکر
 حاضریہ ہواہ فرات میں
 مریختہ کی پیکر دلیا
 مستی پر چہ ان تہیہ

مجلس ان تیرے نام توں میں سب سے زیادہ تر
 ہر دین سے خواہے وہ سب سے عاجز فرمانہ چیز ہر

یہ بڑھت پیر بھی متعل جرمی آسان کر
سودگران دایر بھی بھیاں سال غیر دیکھ یا

مردہ زخم پر نگہ نہ کرے
میرے پاس نہ آئے میرے پاس نہ آئے

۱۔ کہ یہ عہد انقدر کفالت و دل مینسا کر

۲۔ ۵۰۰ سے زائد ہزاروں مسکینوں کو روزانہ دیکھا گیا ہے۔

نہایت عطا و دہش علی عالموں نہ چانت

۵۱) دے میں اول: مہا اسوتہ و پیریدہ، دھرم، سور،

[Faint handwritten notes or scribbles]

تو کہتا ہے کہ میں نے
میرا دل دیا ہے
دورِ خوسہ

خلیل چچا دے دیا یا آتشِ نون میں جا بجا بجا
یا میرا حصہ دسولاں تیرا شیت یا یا جمولاں
چار برس خوفِ الاسطیما مانا
سرد سو یا دم بھاس دا

دیکھ کر نہ رہے تائیں
سوسا نرم جھوک دیا
پیر لیا میں جا کا یا
کوسن لگے کسی دہری سہری
سہ شہنشاہی بولے
وہ اس آہ دا

چار برس عورت کھیلے فدا
دعا میں یہاں تھا دا

شکم چچی نہیں کڑھیا لڑنوں
تانا دتا بادشاہی دا
میں پکائی مکیر دلم

دخ سا بھی دا کھٹھ جھٹھا
اور اس پر...

میں نے اپنے دل سے کہا
کہ میں نے اپنے دل سے کہا
کہ میں نے اپنے دل سے کہا
کہ میں نے اپنے دل سے کہا

میں نے اپنے دل سے کہا
کہ میں نے اپنے دل سے کہا
کہ میں نے اپنے دل سے کہا
کہ میں نے اپنے دل سے کہا

میں نے اپنے دل سے کہا
کہ میں نے اپنے دل سے کہا
کہ میں نے اپنے دل سے کہا
کہ میں نے اپنے دل سے کہا

میں نے اپنے دل سے کہا
کہ میں نے اپنے دل سے کہا
کہ میں نے اپنے دل سے کہا
کہ میں نے اپنے دل سے کہا

میں نے اپنے دل سے کہا
کہ میں نے اپنے دل سے کہا
کہ میں نے اپنے دل سے کہا
کہ میں نے اپنے دل سے کہا

عبر مٹا جانے لگا
خوشیوں کی لہریں مٹتی

جس دن
وہ دن تھا جس دن
وہ دن تھا جس دن

تو میں دین دے دیا
تیرا عاشق میں مجھ کو

دلف ہے یہ میری دلی

دلیاں میں نہیں
سہم کر دے دیا

میں چرا کے نکستی
عالم حکم آگئی

ہاں میں غول دے دیا
میں کھڑا میں لے لے لے

کوئی میری نہیں
میں میں لے لے لے

بجھتا رہ گیا

میں دے دے دے دے

میں دے دے دے دے

میں دے دے دے دے

میں دے دے دے دے

میں دے دے دے دے

میں دے دے دے دے

اگر ملای دودھ پیر کر
سنا دودھ پیر کر

دودھ پیر کر کے پیر کر کے
اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے

اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے
اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے
اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے

اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے
اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے
اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے

اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے
اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے
اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے

اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے
اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے
اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے

اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے
اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے
اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے

اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے
اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے
اگر کوئی دودھ پیر کر کے نہ پیر کرے

وہ لفظ تیری زبان کی
جس میں میرا جہ دہا

وہ لفظ تیری زبان کی
جس میں میرا جہ دہا
وہ لفظ تیری زبان کی
جس میں میرا جہ دہا
وہ لفظ تیری زبان کی
جس میں میرا جہ دہا
وہ لفظ تیری زبان کی
جس میں میرا جہ دہا

وہ لفظ تیری زبان کی
جس میں میرا جہ دہا
وہ لفظ تیری زبان کی
جس میں میرا جہ دہا
وہ لفظ تیری زبان کی
جس میں میرا جہ دہا
وہ لفظ تیری زبان کی
جس میں میرا جہ دہا

وہ لفظ تیری زبان کی
جس میں میرا جہ دہا
وہ لفظ تیری زبان کی
جس میں میرا جہ دہا
وہ لفظ تیری زبان کی
جس میں میرا جہ دہا
وہ لفظ تیری زبان کی
جس میں میرا جہ دہا

وہ لفظ تیری زبان کی
جس میں میرا جہ دہا
وہ لفظ تیری زبان کی
جس میں میرا جہ دہا
وہ لفظ تیری زبان کی
جس میں میرا جہ دہا
وہ لفظ تیری زبان کی
جس میں میرا جہ دہا



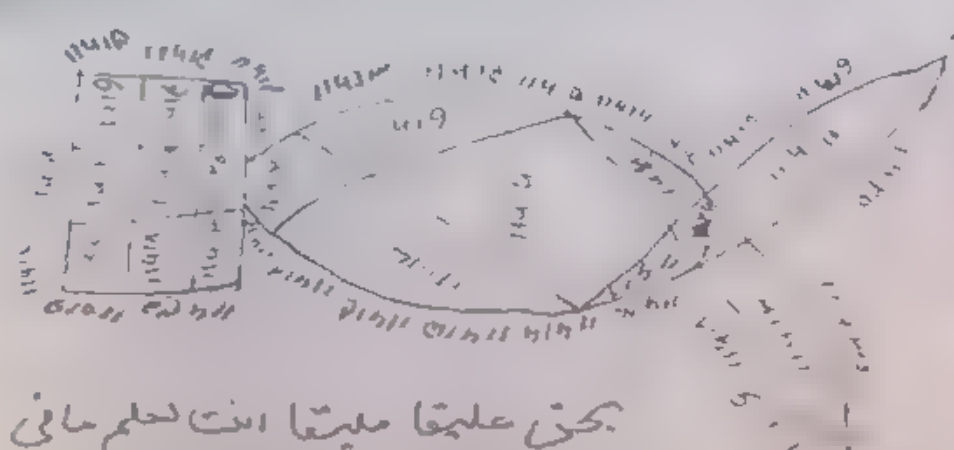
یادگار و یادگار و یادگار

یادگار و یادگار و یادگار

سجل ۸۵

| | | | |
|------|------|------|------|
| ۵۹۸۱ | ۵۹۸۲ | ۵۹۸۳ | ۵۹۸۴ |
| ۵۹۸۵ | ۵۹۸۶ | ۵۹۸۷ | ۵۹۸۸ |
| ۵۹۸۹ | ۵۹۹۰ | ۵۹۹۱ | ۵۹۹۲ |
| ۵۹۹۳ | ۵۹۹۴ | ۵۹۹۵ | ۵۹۹۶ |

یادگار و یادگار و یادگار



یادگار و یادگار و یادگار

یادگار و یادگار و یادگار

در این کتاب حاضری و غایبی

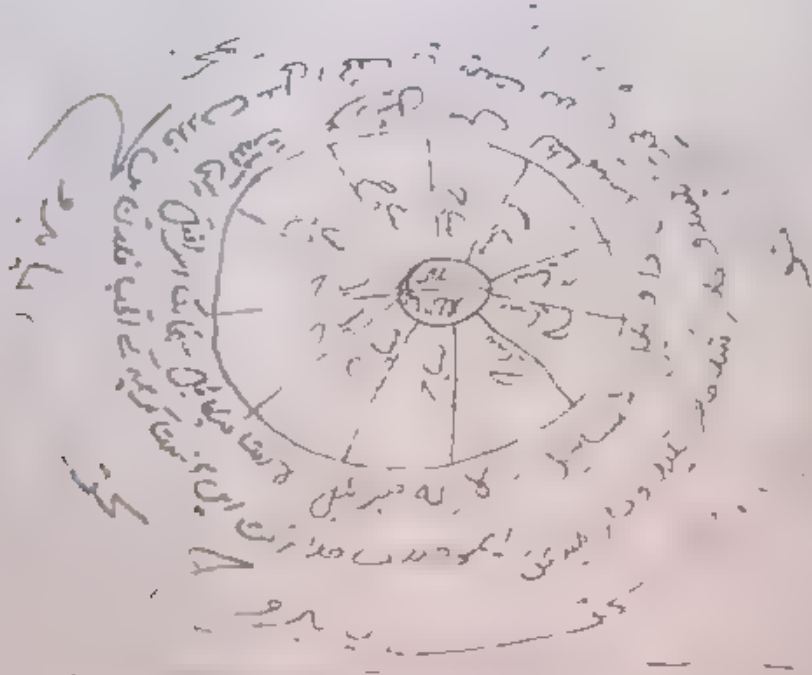


قاره اطراف ۱۱۱۶۶ و اقصای قارات
شمالی قارات قارات

بجای آن که در

در این کتاب

| | | |
|-----|-----|-----|
| ۵۰۰ | ۶۰۰ | ۷۰۰ |
| ۶۰۰ | ۷۰۰ | ۸۰۰ |
| ۷۰۰ | ۸۰۰ | ۹۰۰ |



در این کتاب
در این کتاب
در این کتاب

۱۱۱۶۶ و ۱۱۱۶۶

در این کتاب
در این کتاب
در این کتاب

1. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 2. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 3. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 4. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 5. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 6. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 7. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 8. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 9. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 10. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

1. 3. 2. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838.

مجلس شورای اسلامی - تهران - ۱۳۵۷

(۱) مومنی لایہوں پر وضو کیا جائے یا نہیں؟

صلی و علیہ و آله و سلم

[illegible]

...میں نے اس کو دیکھا تھا۔

[illegible]

اصل نامہ رسول کا و اسٹیمپ ہونا اپنی رسولی کا

2- در تمامه طرح - 1/2 - 1/4 - 1/8 - 1/16 - 1/32 - 1/64 - 1/128 - 1/256 - 1/512 - 1/1024 - 1/2048 - 1/4096 - 1/8192 - 1/16384 - 1/32768 - 1/65536 - 1/131072 - 1/262144 - 1/524288 - 1/1048576 - 1/2097152 - 1/4194304 - 1/8388608 - 1/16777216 - 1/33554432 - 1/67108864 - 1/134217728 - 1/268435456 - 1/536870912 - 1/1073741824 - 1/2147483648 - 1/4294967296 - 1/8589934592 - 1/17179869184 - 1/34359738368 - 1/68719476736 - 1/137438953472 - 1/274877906944 - 1/549755813888 - 1/1099511627776 - 1/2199023255552 - 1/4398046511104 - 1/8796093022208 - 1/17592186044416 - 1/35184372088832 - 1/70368744177664 - 1/140737488355328 - 1/281474976710656 - 1/562949953421312 - 1/1125899906842624 - 1/2251799813685248 - 1/4503599627370496 - 1/9007199254740992 - 1/18014398509481984 - 1/36028797018963968 - 1/72057594037927936 - 1/144115188075855872 - 1/288230376151711744 - 1/576460752303423488 - 1/1152921504606846976 - 1/2305843009213693952 - 1/4611686018427387904 - 1/9223372036854775808 - 1/18446744073709551616 - 1/36893488147419103232 - 1/73786976294838206464 - 1/147573952589676412928 - 1/295147905179352825856 - 1/590295810358705651712 - 1/1180591620717411303424 - 1/2361183241434822606848 - 1/4722366482869645213696 - 1/9444732965739290427392 - 1/18889465931478580854784 - 1/37778931862957161709568 - 1/75557863725914323419136 - 1/151115727451828646838272 - 1/302231454903657293676544 - 1/604462909807314587353088 - 1/1208925819614629174706176 - 1/2417851639229258349412352 - 1/4835703278458516698824704 - 1/9671406556917033397649408 - 1/19342813113834066795298816 - 1/38685626227668133590597632 - 1/77371252455336267181195264 - 1/154742504910672534362390528 - 1/309485009821345068724781056 - 1/618970019642690137449562112 - 1/1237940039285380274899124224 - 1/2475880078570760549798248448 - 1/4951760157141521099596496896 - 1/9903520314283042199192993792 - 1/19807040628566084398385987584 - 1/39614081257132168796771975168 - 1/79228162514264337593543950336 - 1/158456325028528675187087900672 - 1/316912650057057350374175801344 - 1/633825300114114700748351602688 - 1/1267650600228229401496703205376 - 1/2535301200456458802993406410752 - 1/5070602400912917605986812821504 - 1/10141204801825835211973625643008 - 1/20282409603651670423947251286016 - 1/40564819207303340847894502572032 - 1/81129638414606681695789005144064 - 1/162259276829213363391578010288128 - 1/324518553658426726783156020576256 - 1/649037107316853453566312041152512 - 1/1298074214633706907132624082305024 - 1/2596148429267413814265248164610048 - 1/5192296858534827628530496329220096 - 1/10384593717069655257060992658440192 - 1/20769187434139310514121985316880384 - 1/41538374868278621028243970633760768 - 1/83076749736557242056487941267521536 - 1/166153499473114484112975882535043072 - 1/332306998946228968225951765070086144 - 1/664613997892457936451903530140172288 - 1/1329227995784915872903807060280344576 - 1/2658455991569831745807614120560689152 - 1/5316911983139663491615228241121378304 - 1/10633823966279326983230456482242756608 - 1/21267647932558653966460912964485513216 - 1/42535295865117307932921825928971026432 - 1/85070591730234615865843651857942052864 - 1/170141183460469231731687303715884105728 - 1/340282366920938463463374607431768211456 - 1/680564733841876926926749214863536422912 - 1/1361129467683753853853498429727072845824 - 1/2722258935367507707706996859454145691648 - 1/5444517870735015415413993718908291383296 - 1/10889035741470030830827987437816582766592 - 1/21778071482940061661655974875633165533184 - 1/43556142965880123323311949751266331066368 - 1/87112285931760246646623899502532662132736 - 1/174224571863520493293247799005065324265472 - 1/348449143727040986586495598010130648530944 - 1/696898287454081973172991196020261297061888 - 1/1393796574908163946345982392040522594123776 - 1/2787593149816327892691964784081045188247552 - 1/5575186299632655785383929568162090376495104 - 1/11150372599265311570767859136324180752990208 - 1/22300745198530623141535718272648361505980416 - 1/44601490397061246283071436545296723011960832 - 1/89202980794122492566142873090593446023921664 - 1/178405961588244985132285746181186892047843328 - 1/356811923176489970264571492362373784095686656 - 1/713623846352979940529142984724747568191373312 - 1/1427247692705959881058285969449495136382746624 - 1

سود عالمه و فزونی را در سبب از این امر ای نموده

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

مجلس علمیه عالی کربلا

بسم الله الرحمن الرحيم : الحمد لله الذي هدانا لهذا الذي كنا لنهتدي لولا أن هدانا الله

شرح در ترجمه

صمدیہ: ۶ ربیع الثانی

2

اساتذت عزیز علی اکبر دہلوی

۶ دکن

١٠

7. 2. 1948

به عمل ائمه الهیین در کماله - معتقد سر مقتدر که به شهر ۱۶

24

در این سال که در سال ۱۰۰۰ هجری قمری

بود

در این سال که در سال ۱۰۰۰ هجری قمری

در این سال که در سال ۱۰۰۰ هجری قمری

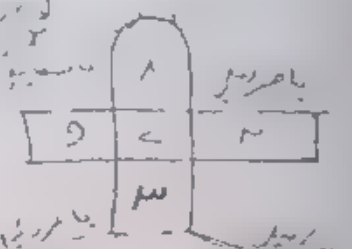
در این سال که در سال ۱۰۰۰ هجری قمری

در این سال که در سال ۱۰۰۰ هجری قمری

در این سال که در سال ۱۰۰۰ هجری قمری

در این سال که در سال ۱۰۰۰ هجری قمری

در این سال که در سال ۱۰۰۰ هجری قمری



در این سال که در سال ۱۰۰۰ هجری قمری

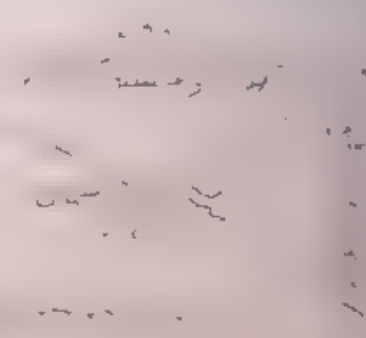


در این سال که در سال ۱۰۰۰ هجری قمری

در این سال که در سال ۱۰۰۰ هجری قمری



در این سال که در سال ۱۰۰۰ هجری قمری



در این سال که در سال ۱۰۰۰ هجری قمری

تو بس که بدست من رسید

تو بس که بدست من رسید

تو بس که بدست من رسید

تو بس که بدست من رسید

تو بس که بدست من رسید

تو بس که بدست من رسید

تو بس که بدست من رسید

تو بس که بدست من رسید

تو بس که بدست من رسید

تو بس که بدست من رسید

تو بس که بدست من رسید

پیشکا میرے مرشد والا لاش میری تے
دھمے پاک نبی

روح پروردے حد و دیا ہوا پیر دی طرفے پیر
نہیا مرگیا طالب ہوا سارا حال سنا دیا

پیشکا میرے مرشد والا لاش میری تے یاد دینا
روشنے پاک نبی دے یار ویری لاش بہنیا دینا
نہ سارے مینوں رونا مار نہ لہرے
سوسن یار اتارے حال پیر ورن سبھا دینا

پیشکا میرے مرشد والا لاش میری تے یاد دینا
روشنے پاک نبی دے یاد میری لاش بہنیا دینا
بری میت پیرے پاکے۔ شرفانہ نال خوب منہ لے
سمندر پیر دی وجہ کھنکھاتے۔ میرا سناؤں نہ دکنہ دینا

پیشکا میرے مرشد والا لاش میری تے یاد دینا
روشنے پاک نبی دے یار ویری لاش بہنیا دینا
سیا دتا مٹیں میت مہارسی۔ میری سوسن روکنی مہارسی

آمل چک کے وار و واری مندر و سرل بہنیا دینا
نہ والا لاش میری تے یاد دینا

روشنے پاک نبی دے یار ویری لاش بہنیا دینا

پیر میرا دے دیے آوے۔ ملہ صباہ پڑھیا جاوے
نہ سارے مینوں رونا مار نہ لہرے
سمندر پیر دی وجہ کھنکھاتے۔ میرا سناؤں نہ دکنہ دینا

پیشکا میرے مرشد والا لاش میری تے یاد دینا

روشنے پاک نبی دے یار ویری لاش بہنیا دینا

مائے دم مروت باکی
 ساقی و تم شکاری مگر حاضر خود و معاد دیا
 مگر کی تے یا دیا
 کس سے تے بار و مروت لاشیں بھیجا دیا
 مے سارے ۔ مروتی تیرا مگر دسارے
 باکی مے دے مروتی دسارے مائے مروت تے پیل یاد دیا
 مے مروتی دلا لاشیں مروتی تے یاد دیا
 دے مے باکی تے یاد دے بار و لاشیں مروتی بھیجا دیا

مروتی دلا لاشیں مروتی تے یاد دیا
 ان کو اہل ان تے پتے ۔ مے مروتی تے یاد دیا
 مے مروتی دلا لاشیں مروتی تے یاد دیا
 دے مے باکی تے یاد دے بار و لاشیں مروتی بھیجا دیا
 مروتی دلا لاشیں مروتی تے یاد دیا
 مے مروتی دلا لاشیں مروتی تے یاد دیا

مروتی دلا لاشیں مروتی تے یاد دیا
 دے مے باکی تے یاد دے بار و لاشیں مروتی بھیجا دیا

مروتی دلا لاشیں مروتی تے یاد دیا

مروتی دلا لاشیں مروتی تے یاد دیا
 دے مے باکی تے یاد دے بار و لاشیں مروتی بھیجا دیا

مروتی دلا لاشیں مروتی تے یاد دیا
 دے مے باکی تے یاد دے بار و لاشیں مروتی بھیجا دیا

مروتی دلا لاشیں مروتی تے یاد دیا
 دے مے باکی تے یاد دے بار و لاشیں مروتی بھیجا دیا

مروتی دلا لاشیں مروتی تے یاد دیا

مروتی دلا لاشیں مروتی تے یاد دیا

سو دے گی
یہ خدی لون۔ مگر کہ مدد ملے پہنچا دے

میرے مرشد والدہ شہزادی سے یاد دیا
روئے یوں سے دے یاد میری لڑائی کا بھیا دے

میرے قہر و فساد کا۔ ہر دم کر دیا سیوں
میں دم نے پردہ سے کلمہ کلمہ۔ روح میری شوقا دے

سیکھارے مرشد والا لاش میری نے یاد دیا
روئے پاک سے دے یاد میری لڑائی کا بھیا دے

پڑے۔ ہر عمل سارے۔ مار غم ہو مومنوں دے
دشمن بڑے مٹی پاتے۔ مجاہدوں مال سب دینا

مرشد والا لاش میری نے یاد دیا

کھیل توں سچوں میں شیشوں ہو دیاں کی
پڑھیں سچوں میں سچوں میں دے لیں
میں نے ان سے کہا کہ میری لڑائی کا بھیا دے
میں نے سب کو ان سے سچ سے سچ کر دیا
میرے ہاتھ لکھوں میں سمیر لکھ دیا

میں نے سچوں میں سچوں میں دے لیں
میں نے سچوں میں سچوں میں دے لیں
میں نے سچوں میں سچوں میں دے لیں
میں نے سچوں میں سچوں میں دے لیں
میں نے سچوں میں سچوں میں دے لیں

مجلس شریف
 حضرت سیدنا بن داود علیہ السلام
 حاضر شو حاضر شو حاضر شو

| | | | |
|----|----|----|----|
| ۱ | ۲ | ۳ | ۴ |
| ۵ | ۶ | ۷ | ۸ |
| ۹ | ۱۰ | ۱۱ | ۱۲ |
| ۱۳ | ۱۴ | ۱۵ | ۱۶ |

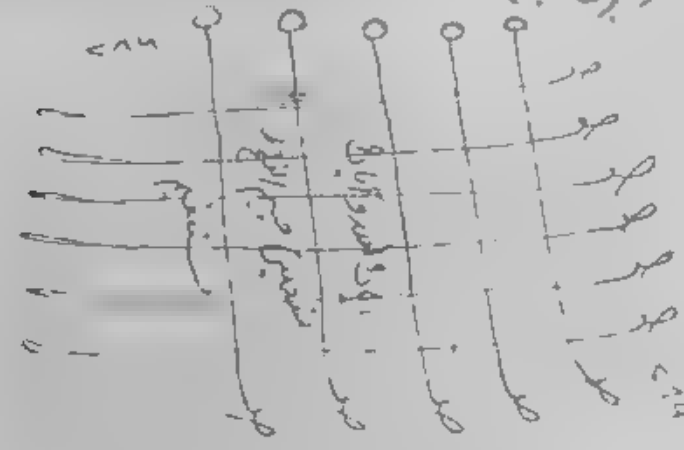
فرعون یس شداو یس مرودین
 شرف و عورت بد دریا بین طرف

مجلس شریف

| | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ۱ | ۲ | ۳ | ۴ | ۵ | ۶ | ۷ | ۸ | ۹ | ۱۰ |
| ۱۱ | ۱۲ | ۱۳ | ۱۴ | ۱۵ | ۱۶ | ۱۷ | ۱۸ | ۱۹ | ۲۰ |
| ۲۱ | ۲۲ | ۲۳ | ۲۴ | ۲۵ | ۲۶ | ۲۷ | ۲۸ | ۲۹ | ۳۰ |

به نقش می که کرد به منور
 آفرینش از حق تعالی

تغییر محوره فی بروز لواء صلیح الی مار
 که نه تعلق کر کسی د ۱۵ یا ۱۰ مار و خطوط
 میوه من کرد



بسم الله
 انبیا هم رسیع ما ان کا نام
 بود این خطوط بود ریس
 که عدد بر - انبیا هم

| | | |
|-----|-----|-----|
| ۱۹۹ | ۲۲۵ | ۲۳۵ |
| ۲۲۵ | ۲۳۵ | ۲۳۵ |
| ۲۳۵ | ۲۳۵ | ۲۳۵ |

می دانا

مستند در آسان خانه ایاب و راه می دانا
مستند در آسان خانه ایاب و راه می دانا

سرمل میں عادت ہے آلودگی
مقلد آسان خدا سر پر بنی درایا

حضرت وزیر شاہ دالور سما یا حضرت سید نور الدین دریا یا سہرا

محمد رایا فی علی داس پر سایہ

مقلد کر آسان خدا سر پر بنی داسایہ

وہ شہید بہرے عاشقوں کی یہ علامت دالور کیسے ہو بہرے

سارا پایا وحدت در ج غولہ رایا

مقلد کر آسان خدا سر پر بنی داسایہ

وہ شہید بہرے عاشقوں کی یہ علامت دالور کیسے ہو بہرے

مقلد کر آسان خدا سر پر بنی داسایہ

وہ شہید بہرے عاشقوں کی یہ علامت دالور کیسے ہو بہرے

مقلد کر آسان خدا سر پر بنی داسایہ

شہنشاہ ہری (نبی) عمر کے واسطے
مہر مند دھت غذا کے پیر مرے واسطے
تہرا ہری پیت ویاہ شہنشاہ کے واسطے

یارک اسم مہر مہم اسے شاہ کامل عمر
وے داد اسے شاہ عمر دے واسطے
مہر مہنشاہ ہری بے مدد مہر مہم احمد احمد
دکھنا شہنشاہ احمد احمد مہر مہم

مہر مہنشاہ ہری بے مدد مہر مہم احمد احمد
مہر مہنشاہ ہری بے مدد مہر مہم احمد احمد
مہر مہنشاہ ہری بے مدد مہر مہم احمد احمد
مہر مہنشاہ ہری بے مدد مہر مہم احمد احمد

مہر مہنشاہ ہری بے مدد مہر مہم احمد احمد
مہر مہنشاہ ہری بے مدد مہر مہم احمد احمد
مہر مہنشاہ ہری بے مدد مہر مہم احمد احمد
مہر مہنشاہ ہری بے مدد مہر مہم احمد احمد

مہر مہنشاہ ہری بے مدد مہر مہم احمد احمد
مہر مہنشاہ ہری بے مدد مہر مہم احمد احمد
مہر مہنشاہ ہری بے مدد مہر مہم احمد احمد
مہر مہنشاہ ہری بے مدد مہر مہم احمد احمد

بچے گل سے جانی

ربان سجدہ اللہ کی سوری چھتی وہ سحرند وال دور کی اس دل چ
رہی منزل میں رہی سر پر بندے کے مور جو رک
خوشی کر آسان خدا یا سر پرانی دامایہ

میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے اس قلمیہ وہ سبھی نے

نہ کہہ کر کہہ کر کہہ کر کہہ کر

میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے اس قلمیہ وہ سبھی نے

میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے اس قلمیہ وہ سبھی نے

میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے اس قلمیہ وہ سبھی نے

سب کچھ پایا خود

مسلک آسان کرد ایام پرست داسایہ

حادثہ ہمارے صاحب دے لے لے لا

مسلک آسان خدا یا پرستی داسایہ

سین فیلڈ سار سار سار سار سار سار سار

حدی آ پڑھی گروہ کی کی بانی

مسلک آسان خدا یا پرستی داسایہ

سب حقیقت حال

نہا یہ آقا کریم گڑ گڑ گڑ گڑ گڑ گڑ گڑ

تجلی آسان خدا یا پرستی داسایہ

سار سار سار سار سار سار سار سار سار

سار سار سار سار سار سار سار سار

سار سار سار سار سار سار سار سار

سار سار سار سار سار سار سار سار

سار سار سار سار سار سار سار سار

محبوب اللہ محمد مصطفیٰ ﷺ
اس موالیہ میری

شکرت دینا آفرین غامی مالبیہ کے وسیع ملک

شکرت آسان خدا پیر بر بنی داسیہ

منزل پور میں سر پرندے مور چوکی

شکرت آسان خدا پیر بر بنی داسیہ
شکرت آسان خدا پیر بر بنی داسیہ

شکرت آسان خدا پیر بر بنی داسیہ

شکرت آسان خدا پیر بر بنی داسیہ

شکرت آسان خدا پیر بر بنی داسیہ

شکرت آسان خدا پیر بر بنی داسیہ

شکرت آسان خدا پیر بر بنی داسیہ

شکرت آسان خدا پیر بر بنی داسیہ

• 1 1 1 1 1

منزل کے افسانہ قلمیایہ کے بارے میں دو ساریے ۔

١٠٠

شکل گراموں خدا کرے ہے سی داسا یہ .

میں نے اس دور تمام ماما عشق نقل روح شایہ پھر کر دے انہی عمر چنیاں

مشکل کر امان خدا یا سر پرستے ہیں دو مسابہ

میں نے اپنے لیے ایک کمرہ بنوا دیا ہے۔

آتش پریمی و ج آتش

مستحقِ اہلسا خدایا کہ پرستے بنیں سایہ

عالم اور مسافر

۱۰۰

نمبر ۱۰۰۰ / ۱۰۰۰۰ / ۱۰۰۰۰

شیر سبز و حرا و زعفران و انیسون -

مشق ۱ احسان ضایا کر رہے ہیں دوسری۔

ان سارا حکم دے غلام

تاریخ: ۱۳۰۲/۱۰/۱۰

بجی نہ کہ انہما . . . خلیفہ حسن بن علی علیہ السلام . . .

تعبه

لحم و عصب و عظم
و عروق و عروق و عروق

تعبه

تعبه

در این کتاب می بینیم که هر چه در این کتاب است

مشکل هر آسان خدا یا سر بر نی داسایه

خداوند را می بینیم که هر چه در این کتاب است

خداوند را می بینیم که هر چه در این کتاب است

مشکل هر آسان خدا یا سر بر نی داسایه

برای عظم تر از هر با سینه با صاف را با حریف می بینیم

داسایه

مشکل هر آسان خدا یا سر بر نی داسایه

خداوند را می بینیم که هر چه در این کتاب است

مشکل هر آسان خدا یا سر بر نی داسایه

خداوند را می بینیم که هر چه در این کتاب است

مشکل هر آسان خدا یا سر بر نی داسایه

خداوند را می بینیم که هر چه در این کتاب است

مشکل هر آسان خدا یا سر بر نی داسایه

نقل آستان قدس و ایامی و می داساپه

... ..

صفت کر آسان خدا پسر بر فی داسایه

شش عدولت او رسد - ۵۶۳ نسو چو کج

جلد ۱۰۰

مشکل اگر آسان خدا یا سرپرستی دارما یہ

دلبر کی سب خصوصیت حالی

معجزات اللہ کریم ہرگز سے یار مسکین نہ کہ سکھ بیکہ

مشکل آزارسان خود را میسر پرستی در سایر

عده جامع ما جابا عرش حضور ری آری

ختم کر آسان فہ ایسا برقی طرما ہے

[illegible]

آب سے پہلے ۲۰ لٹریں

100

... ..

1. The first group of people who are interested in the study of the history of the world are the historians. They are people who study the past and try to understand what happened and why it happened. They use a variety of sources, including books, documents, and artifacts, to reconstruct the past. They also try to understand the people who lived in the past and how they thought and felt. Historians are interested in the history of the world because it helps them to understand the present and the future.

تاریخ و جغرافیہ

... ..

... ..

شکل کراہوں فدا یا کر رہے ہیں دوسرا یہ ۔

وہ جسے صبا دھوئے اور جیریا باج خدادے کون سے ڈیریا لہجے سے دریا میں ڈال دیا

بسم الله الرحمن الرحيم

مشق کرافٹ و صلیب سربر ہے بنی داسا یا

در تاریخ ۱۳۰۵ هجری قمری در شهر...

بیت حبیب بھی ہے سخنرمانات

مشکل کو اعلان فدا یا سرپرست ہے جس دوسری

[illegible]

سکڑا ہوا پتھر جیسے ہیں داسا یہ

یاد رہے توں پیار سے ملنے رفا دوستی کہ تار سے دیں دیں توں از فیق خدایا

حرمین و مکه

سلطان احمد علی شاہ بہادر مرہٹہ بنی داسا یہ

۱۰۰

(

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

125

100

نویسندہ

[illegible]

نجی دین سید خاوند

(continued)

... 23 -

۱۔ اہل حق سے صلہ

مدد درسا ۵ جلدیں
نہ کوئی نہ صرف تباہ آرا

۱- اعجاز پیر صی ماروا

1944

عبداللہ امین خان صاحب

... ..

step 2

پروستیا / منگھور د عواناں

ل'کھن مامتاں

ہے بہر دم حفاظت

1. The ...

مجلس ۱۲

۱۔ دوسرا یہ کہ اگرچہ اس کا نام ہے کہ "مختصر" ہے مگر اس میں جو کچھ ہے اس کا پورا پورا مفاد اس میں ہے۔

اسی عالمی رشتے معلوم

دیکھ کر جو یہ لڑنا میری

کرتی نہ شرمی شالہ دا

حربا مصل واک دا

میں رہا نہ رہا

رہ رہ رہ رہ رہ

رہ رہ رہ رہ

نہیں ہوئے وقت گزار دا

موت عظیم

سامو - معصم

موت عظیم

سامو - معصم

سامو - معصم

موت عظیم

موت عظیم

موت عظیم

موت عظیم

موت عظیم

موت عظیم

موت عظیم

موت عظیم

موت عظیم

موت عظیم

موت عظیم

موت عظیم

موت عظیم

موت عظیم

موت عظیم

موت عظیم

موت عظیم

موت عظیم

نیازوں تیریاں و مددوں

ششما کیسیاں ساراں

ششما کیسیاں ساراں

ساراں کیسیاں ساراں

مدد کر شاہ صلیبی

پیاں دیں جان تے نکال

اُنیا صبر میرے فرست

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مدد کر شاہ صلیبی

مقدمه

فصل اول

فصل دوم

فصل سوم

فصل چهارم

فصل پنجم

فصل ششم

فصل هفتم

فصل هشتم

فصل نهم

فصل دهم

فصل یازدهم

فصل بیستم

فصل اول

فصل دوم

فصل سوم

فصل چهارم

فصل پنجم

فصل ششم

فصل هفتم

فصل هشتم

فصل نهم

فصل دهم

فصل یازدهم

فصل بیستم

فصل اول

فصل دوم

فصل سوم

فصل چهارم

فصل پنجم

فصل ششم

فصل هفتم

فصل هشتم

فصل نهم

فصل دهم

فصل یازدهم

فصل بیستم

فصل اول

فصل دوم

فصل سوم

فصل چهارم

فصل پنجم

فصل ششم

فصل هفتم

فصل هشتم

فصل نهم

فصل دهم

فصل یازدهم

فصل بیستم

کرتی نہ تھکناں پر مے

میںوں کر نہ ملے

آیا میری دودھ سرکار میں

پو آیا ملک بیگانہ

آیا لہذا کر دسا یاں

پڑی نہیں دودھ کے ماہوں

اٹھائی سخت مجھ کو

بیا دھل سرانوں جاواں

رہیا نہ کووری ملہ

مدد کرتا ہے صلیبی

مدد کرتا ہے صلیبی

مدد کرتا ہے صلیبی

مدد کرتا ہے صلیبی

کرم دے کول کمال بارے

مذہب میرے دیر

قائد سے باہمی سلطانی

درد دسا یاں

سب کے منہ دتاں لایک

مرد دے دے

بہدیش دودھ کے

دور دمی دوری

گیت میں گام

حضرت احمد میر ددی والے

فہم غیری تموں دی لے

دل کر متکل یا مدیا

وجہ ردی پسایا دیہ وہ لے

فرہم مدی لکن ملے اڈ دیہ لے

یعنی خواہم شمس الہ میں

دل کر متکل یا مدیا

فہم غیری تموں دی لے

دل کر متکل یا مدیا

سیاوا اپنا آپ گوامی

پالیشی بہشت بنایا

یعنی برسات زبردست

میدار کی فرید سمیٹ

دل کر متکل یا مدیا

دل کر متکل یا مدیا

تہ کے وارث تخت رسول

ہی پان فرمایا

دل کر متکل یا مدیا

حسن مسجد داد پتہ تحری

درس دنگ کرہ طور ملا

تو کی تیری تیری تیری
تو کی تیری تیری تیری
تو کی تیری تیری تیری
تو کی تیری تیری تیری

مدد کر شاہ جیلانی

نہراؤں کستوں میں طاری

مدد کر شاہ جیلانی

خدا دیر اسطے مسایاں

مدد کر شاہ جیلانی

کرتی تدبیر نہ چلے

مدد کر شاہ جیلانی

قون کر دے پوریاں غرضات

مدد کر شاہ جیلانی

انا الحق وانک معصوم

مدد کر شاہ جیلانی

ولای دیات حاکم اللہ

مدد کر شاہ جیلانی

مسافر پیلوٹ حالی

مدد کر شاہ جیلانی

قرے دیوار درگشا

مدد کر شاہ جیلانی

مسافر زاحیان کردا

مدد کر شاہ جیلانی

تھاڑے قدم آملے

مدد کر شاہ جیلانی

بروئے متنی و ادب و مذاہب

شماره پنجم و بیست و یکم
مهر و برکت ۱۳۰۲

فرخنده آت عضو می

مختار من

چند کوه غور و زراعت

حل بر مرقعہ پ. یو. پ

سید میر مقبول رحل آریا

مفتی محمد رفیع عثمانی صاحب دہلی

تاریخہ ۱۸۸۱ء
۱۸۸۱ء

برای دعا و دعا در روز دوشنبه
نزدون فراموشی یا

ویرودنی دیکھا و نمود و بعضی
قوس میں کوسیں کر کے آیا

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

وہم لہرے دے قرآن کیا ہیں
دور علی علی کر آیا

واللہ اعلم بالصواب

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

شیخ شریف چشتی اہل بہشتی

لستم ائلك لرحمك لرحمك

وہم لہرے دے قرآن کیا ہیں

دور علی علی کر آیا

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

صلیٰ اللہ علیہ و آلہ و سلم

در معالی حضرت شاه شیم جوانی داری

مخبر اندر حق گردان

فجود و حق و ایسے ناز

ادکمی دمی شاه و کار

داند سکندر کمران سار

دایری جعبه دایری عالم شاه و حکام شاه

سستی شاه ایام ملوک

سکندر کمران سار

مرد مرتضی صورت ابو طالب

مرد مظلوم و مظلوم

مرد مظلوم و مظلوم

مرد مظلوم و مظلوم

مرد مظلوم و مظلوم

مرد مظلوم و مظلوم

مرد مظلوم و مظلوم

جب آواز دل کے اسرار

جب آواز جباری بار

مستقل بری صل کر موزی کر و کر

در معالی حضرت شاه شیم جوانی داری

مخبر اندر حق گردان

فجود و حق و ایسے ناز

ادکمی دمی شاه و کار

داند سکندر کمران سار

دایری جعبه دایری عالم شاه و حکام شاه

سستی شاه ایام ملوک

سکندر کمران سار

مرد مرتضی صورت ابو طالب

مرد مظلوم و مظلوم

مرد مظلوم و مظلوم

مرد مظلوم و مظلوم

مرد مظلوم و مظلوم

مرد مظلوم و مظلوم

مرد مظلوم و مظلوم

مرد مظلوم و مظلوم

مرد مظلوم و مظلوم

مرد مظلوم و مظلوم

مرد مظلوم و مظلوم

مرد مظلوم و مظلوم

مرد مظلوم و مظلوم

مرد مظلوم و مظلوم

مرد مظلوم و مظلوم

سنبویه شریف بر لب جنت

جامع دات جنات مبین

فتح اسباب علم قدیم

ام آفتاب قرآنی دیا

صل کر نشعل یا خدا یا

علیا پورا دید قنای

صفت لائالی کوئی نه دیکھا تسدی تالی

سار دولت کا دولت

صکر نشعل یا خدا یا

شاد یا خدا یا

شرف لایالی کوئی نه

مضنون دستور لایالی

دچ سنبویه شریف و دارا

صل کر نشعل یا خدا یا

کیا کیمیا نفس تات تھل

شاه محمد پیر کامل

یا یا قاب قوسنی یا یا

سریر تاج مسویہ مرسل

صکر نشعل یا خدا یا

صنبول اس دی قیمت پناہی

علم تاد محمد رب الہی

نیرت دا نفس مشایا

رمنز نیردی جا آٹکاپی

صل کر نشعل یا خدا یا

صل کر نشعل یا خدا یا

صل کر نشعل یا خدا یا

ات پر سبناک سبب فریا

دنیو ذمہ دی سبب مردی

صل کر نشعل یا خدا یا

اس دچ صفت نیردی پوری

نجم الہی جو قرب نوری

صا بر تانی شاہ کھلوریا

حال اس بیتہ احام مہروری

صل کر نشعل یا خدا یا

حسن حضرت داوود علیہ السلام

سلام احمد علیہ السلام

علم طبقت جرح ان کے حق میں ہے عموماً

حضرت داوود علیہ السلام کے لئے نور انوار

صلی کریم یا فدایا

حضرت صادق شہید محمد علیہ السلام پایا

صوبہ پٹنہ ضلع جالپایہ

صلی کریم یا فدایا

لا میں غیبی و افراقی شایا

ان کے سبب سے ہر حال میں کمال حاصل ہوا ہے

صلی کریم یا فدایا

صاحبِ کرم، شہید، یقیناً

شہید ہوئے، کرم پایا

ان کے سبب سے ہر حال میں کمال حاصل ہوا ہے

وہ کمال حاصل ہوئے ہیں

ان کے سبب سے ہر حال میں کمال حاصل ہوا ہے

ان کے سبب سے ہر حال میں کمال حاصل ہوا ہے

ان کے سبب سے ہر حال میں کمال حاصل ہوا ہے

ان کے سبب سے ہر حال میں کمال حاصل ہوا ہے

ان کے سبب سے ہر حال میں کمال حاصل ہوا ہے

ان کے سبب سے ہر حال میں کمال حاصل ہوا ہے

ان کے سبب سے ہر حال میں کمال حاصل ہوا ہے

ان کے سبب سے ہر حال میں کمال حاصل ہوا ہے

ان کے سبب سے ہر حال میں کمال حاصل ہوا ہے

ان کے سبب سے ہر حال میں کمال حاصل ہوا ہے

ان کے سبب سے ہر حال میں کمال حاصل ہوا ہے

مذہب حضرت مسیح علیہ السلام

[illegible]

شجره شریف نبی
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

۱- سوزش و جوشش در دهان و گلو
 ۲- سوزش و جوشش در بینی
 ۳- سوزش و جوشش در چشم
 ۴- سوزش و جوشش در گوش
 ۵- سوزش و جوشش در بدن
 ۶- سوزش و جوشش در اندام
 ۷- سوزش و جوشش در اعضا
 ۸- سوزش و جوشش در عروق
 ۹- سوزش و جوشش در اعصاب
 ۱۰- سوزش و جوشش در مغز

ابو اسحاق بن سید موسیٰ بن ربیعہ الراجزی

یہ تائیں

نور علی خان صاحب
سرخ دریاں باغ پلو دریاں شاہ دریا چمن سومبا پلو چورامسی شغہ
پیاوہ میں باغ حضرت نور علی صاحب
عزت موسیٰ صاحب حضرت علی صاحب
حضرت موسیٰ صاحب حضرت علی صاحب

نور علی خان

نور علی خان صاحب

شجره شریف

در این شجره شریف حضرت امام رضا علیه السلام

حضرت علی بن ابی طالب علیه السلام

حضرت محمد بن عبد الله بن عبد المطلب علیه السلام

حضرت سید الشهدا علیه السلام

حضرت سید سلیمان بن ابراهیم علیه السلام

حضرت سید جلال الدین علی بن ابی طالب علیه السلام

حضرت سید محمد بن عبد الله بن عبد المطلب علیه السلام

حضرت سید محمد بن عبد الله بن عبد المطلب علیه السلام

حضرت سید محمد بن عبد الله بن عبد المطلب علیه السلام

حضرت سید محمد بن عبد الله بن عبد المطلب علیه السلام

حضرت سید محمد بن عبد الله بن عبد المطلب علیه السلام

حضرت سید محمد بن عبد الله بن عبد المطلب علیه السلام

حضرت سید محمد بن عبد الله بن عبد المطلب علیه السلام

حضرت سید محمد بن عبد الله بن عبد المطلب علیه السلام

حضرت سید محمد بن عبد الله بن عبد المطلب علیه السلام

حضرت سید محمد بن عبد الله بن عبد المطلب علیه السلام

مذہب حضرت علی شریعت

بسم اللہ الرحمن الرحیم

۴

رداں پائی ...

... استاد نورانی دھرم ...

... نم پیت کر پودات ...

... گیت کی پتلی جادو ...

... دھرم ...

... دھرم ...

... دھرم ...

...

...

...

...

صادق علی حوسنی صاحب

فی زمین العالیین با و تمام

فی زمین العالیین با و تمام

ابو الحسن بر سعید ابن محمد

ابو الحسن بر سعید ابن محمد

عزیز علی بن محمد

عزیز علی بن محمد

عزیز علی بن محمد

عزیز علی بن محمد

عزیز علی بن محمد

عزیز علی بن محمد

عزیز علی بن محمد

عزیز علی بن محمد

شاه علام قادری صاحب صفا

شاه علام قادری صاحب صفا

شاه علام قادری صاحب صفا

شاه علام قادری صاحب صفا

پیشوا علی بن محمد

پیشوا علی بن محمد

پیشوا علی بن محمد

پیشوا علی بن محمد

پیشوا علی بن محمد

پیشوا علی بن محمد

پیشوا علی بن محمد

پیشوا علی بن محمد

۱۹۸

دال لسنش مسئول

پیشانی را
آب
کف دست را

درود
درود

درود بپیشو منورانی بی پرنگه

علی ص سو لیل درود

ایمان و اخیان حارس

درود بپیشو منورانی بی پرنگه درو

جبهای دست پنهان درود

علی ص سو لیل

ایمان و اخیان حارس

ایمان و اخیان حارس

درود بپیشو منورانی بی پرنگه درو

علی بن کبریا علی سوائه مشکلی

علی بن کبریا علی سوائه مشکلی

درود بپیشو منورانی بی پرنگه درو

کیون لا یو سین جعفر

علی ص سو لیل

تیری یون ص حارس

علی ص سو لیل

درود بپیشو منورانی بی پرنگه درو

درود بپیشو منورانی بی پرنگه درو

(۱) ص سو لیل
(۲) ص سو لیل
(۳) ص سو لیل
(۴) ص سو لیل
(۵) ص سو لیل
(۶) ص سو لیل
(۷) ص سو لیل
(۸) ص سو لیل
(۹) ص سو لیل
(۱۰) ص سو لیل

(۱۱)
(۱۲)

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

سازمان اطلاعات و امنیت کشور

1. The first part of the document is a list of names and titles, including "The Hon. Mr. Justice" and "The Hon. Mr. Justice".

1. The first part of the document is a list of names and dates, which appears to be a record of some kind. The names are written in a cursive script, and the dates are in a more formal, printed style. The list is organized into two columns, with names on the left and dates on the right. The names are: John Smith, James Brown, William Jones, and Thomas White. The dates are: 1810, 1811, 1812, and 1813. The list is followed by a signature, which appears to be "John Smith".

— 10 —

[illegible][illegible]

1. *Salix* *caprea* L.

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

یا رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم

ما، ہم شاکر اکبر سلیمان ہیں، اور وہ علم سائنس

حاضر آمدند مشورید ۵

بسم الله الرحمن الرحيم

میں نے ساری چلے پوری چلے پوری چلے 3300 فوٹ 3500 میٹر چلے

ہادی رہیں چلے تھوڑے ساں مکھڑ چلے دھوڑے ساں مکھڑ چلے کھلی کھلی دھوڑے

۴۰۰

عنه: رحمه الله تعالى

سيد عبد الله بن علي حاكم عليه السلام

شعبه ریاضیات و فیزیک

...

0610

[illegible]

احمد موصول علی شکر کشت

الحمد لله رب العالمین
والصلاة والسلام على
المرسلين

دلی ہم صفت جیغ شہنشاہی کے واسطے

ابوالفتح محمد بن علی قزوینی
موصوفیہ کے صاحبزادے

ما جریب علیہ السلام دین علیہ الوصاف
ہم صفت جیغ شہنشاہی کے واسطے
شاہ سید شاہ علی دین شاہ سکندر قادری

شاہ سید شاہ علی دین شاہ سکندر قادری
ما جریب علیہ السلام دین علیہ الوصاف
ہم صفت جیغ شہنشاہی کے واسطے

شاہ سید شاہ علی دین شاہ سکندر قادری
ما جریب علیہ السلام دین علیہ الوصاف
ہم صفت جیغ شہنشاہی کے واسطے

بسم اللہ الرحمن الرحیم
الحمد لله رب العالمین
والصلاة والسلام على
المرسلين

یہ رتبہ کسی فرحب کا ہے
دوب رتبہ ہے شاہ لا فتح کا

یہ رتبہ کسی فرحب کا ہے

برے سر پہ سایہ سے مشعل کش کا

مہربانی پہ پریمانی
ملکہ کے در صدقہ شاہ لا فتح کا

برے سر پہ سایہ سے مشعل کش کا

برے سر پہ سایہ سے مشعل کش کا

اور مہدی خدائی ہیں بارہ نور

سابقہ میں امام میں عزری

یہ جمع ہے سرحد میں خدا کا

یہ ہے پشت حد کے اکثر
نقاد گرجا ہوں شاہ لا فتح کا

برے سر پہ سایہ سے مشعل کش کا

بارہ امام بیجتن یا لک

دوب دیکھ کر خدا کا فراد میں بار

اور امام نور - علی صدر

کوفی و مشعل کش پلید صوفی

دوب نور سو حدی رب کوفی چار نور

یا جہاں پیر منو عاجزی مشعل کش میری آسان کرو گی

پیر و میر و پیر و پیر و پیر و پیر

نور و نور و نور و نور و نور و نور

تے دوپوں نہ جان سر

نور و نور و نور و نور و نور و نور

یا پیر منو عاجزی مشعل کش میری آسان کرو گی

نور و نور و نور و نور و نور و نور

نور و نور و نور و نور و نور و نور

نور و نور و نور و نور و نور و نور

نور و نور و نور و نور و نور و نور

یا پیر منو عاجزی مشعل کش میری آسان کرو گی

چون که در این عالم همه چیز
در دست خداست و در دست یقین حق

یا پر مغز مغزی متعل بری آسان کردی
خوشی کاظم ستوبی چون صدف من پیار
خدا را در دست ما چه چیزی
خدا را در دست ما چه چیزی

یا پر مغز مغزی متعل بری آسان کردی
رضا و لاک حاضر کیا به
خدا را در دست ما چه چیزی
خدا را در دست ما چه چیزی

یا پر مغز مغزی متعل بری آسان کردی
خدا را در دست ما چه چیزی
خدا را در دست ما چه چیزی
خدا را در دست ما چه چیزی

یا پر مغز مغزی متعل بری آسان کردی
خدا را در دست ما چه چیزی
خدا را در دست ما چه چیزی
خدا را در دست ما چه چیزی

خدا را در دست ما چه چیزی
خدا را در دست ما چه چیزی
خدا را در دست ما چه چیزی
خدا را در دست ما چه چیزی

گناہوں سے تمام سے عکری دس کا نام دس پہلے پانی دا
 تمام سے تمہیں مری مدد کر پھر شتر کا مہیا
 بارہویں امام دیکھو وہی کا درود مہدی نام دس کا
 یہی ثانی ہمیں دینی تلوہا مارتے تھر صدائے کو پادری
 مردن شور فتح امام کو جو تھر اکر

یا پر مدعا جری مشغل مری آساف روحی

بارہ امام

سنتی ملک از کتاب

علی رضا حادان داری ہی پر صاوا درود بھیج دو سو تھر اکر
 صلوات بھیج سو سو تھر علی بر آنگھ د کہ فرستاد اب مری تھر دوس

اپنا دے داری با نواں حسین کھرسناوان کرب کا جری کاری

درود بھیج سو سو تھر ہی رہا دے

سے فریق العابدین باقریہ رنے جنز مری سے ہیں
 سے ناکلم جنہاں دی شاہ باری

درود بھیج مومنوں تہی پر نگھ باری

رسول ہیں شاہ زرقوں مری ہے شاہ دفاقوں

ان سے پشیراکی اصغری عدوتوں جلائی مہدی تاری

درود بھیج مومنوں تہی پر نگھ داری

بارہ امام بارہ سے جنہ داروں میں شغل کا پکاروں

جریاں ماری جنہاں توں شریسا داری

درود بھیج مومنوں تہی پر نگھ داری

قَدْ اَنْزَلَ اِلَيْنَا لَوْ اَفْرَأَيْتَ
 لَآ لَافُ قُرْءَانٍ فِیْ سِتْرِیْ
 اِنَّا نَنْزِلُہٗ بِمَا یُؤْمَرُ بِہٖ
 وَیُحْکَمُ فِی الْاَمْرِ
 ثُمَّ تَلَّہُ الرَّسُولُ فَتَحُ وَدَّعَہُ

اِن قحنا ہر مائتہ سال
 اکمل جائیں حدود احد ہائے خفا
 فرست میر و رسم سے تمہا
 سبھی مشغول ہیں خود رفتار بھاری
 چلے میر نیر و لیلوب میر و دود

میراث مارہ و د منش کا معائنہ
چل گئی دلیپین وہ برجھے پیار

خود سے نہیں خود کو اور پر مسور رک

کچھ ہم سے دوستی کرنا چاہتے ہیں

نور دہلی سے فولادی مسٹر

دوسرے : فوٹو گنگن چمے دھارا پیپری

کہا کہ جی چاہا رہاں سے مقرر ہیں

در مورد نیروی جبر مارتینی و همکاران

چندین شہر پر سے گزرتے ہیں

مسلی قرط کفار مکہ مہرہ ہیں

رداء وید کے جزو ہے

[illegible]

قسمت منزل خایه بنرد و شالا

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

مرثاک ہے تیری تررت ساد

عسی صی کی ہے تکرار عیاری

ملی کمی کا اسے یہذا خبر اور مارو

فصل في بيان ما يجب من العلم

رستمی، عمت مولیٰ

[illegible]

1990

مگر یہ فردا کی سی ہی بیماری

برنامه محکمات و اصول

۱۵۰ سے زائد ہزاروں ہندو متبع ۵۰ سالہ

کے لئے ایک نیا راستہ تلاش کرنا ہوگا۔

۱۔ پیر علی بابا پیر محمد پیر

میرزا محمد علی بیگ

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

پس سبب بزرگوار

076 22 1 198

میں حضرت کے تھا اک شیر

میں حضرت کے تھا اک شیر

میں حضرت کے تھا اک شیر

میں حضرت کے تھا اک شیر

میری بار کیوں دیر دینی تری

میری بار کیوں دیر دینی تری

میری بار کیوں دیر دینی تری

میری بار کیوں دیر دینی تری

میری بار کیوں دیر دینی تری

میری بار کیوں دیر دینی تری

میری بار کیوں دیر دینی تری

میں حضرت کے تھا اک شیر

میں حضرت کے تھا اک شیر

میں حضرت کے تھا اک شیر

میں حضرت کے تھا اک شیر

میں حضرت کے تھا اک شیر

میں حضرت کے تھا اک شیر

میں حضرت کے تھا اک شیر

میں حضرت کے تھا اک شیر

میں حضرت کے تھا اک شیر

میں حضرت کے تھا اک شیر

میں حضرت کے تھا اک شیر

میں حضرت کے تھا اک شیر

میں حضرت کے تھا اک شیر

میں حضرت کے تھا اک شیر

[Faint handwritten notes]

20

میرا نام ہے پاک۔ پورنگار
میرے نام سے عالم اٹھتا ہے

تیرے قدم سے مینہ برسنے لگا
دل سے جس میں ہے خدہ لگا
میری بارگاہ میں میری مری
ہوئے حاضر اس پر محمد رسول
کہ ولایت ہے جن کی شہادت نزل
میری بارگاہ میں میری مری
جیسے کو دیا عیدہ اقبال کا
کس کردار کوٹہ رش

میری بارگاہ میں میری مری
ہمیشہ سے ابرہہ کی کوف

بیا باب رحمت کا پیران پروا

میری بارگاہ میں میری مری

جو عیدت نبوت ہی تو ہے میری
وعدہ آت و رفت دہائی میری

میری بارگاہ میں میری مری

ابھوں نے دعاں چاہی تیری پہا

بیا ان کو پھر صبر کا بادشاہ

نزدک ہوں دیر تیری

یہ نہہ سراسر سنہار ہے

تو ہی اک کا بارگاہ ہارید

میرا نام ہے پاک۔ پورنگار

میرے نام سے عالم اٹھتا ہے

تیرے قدم سے مینہ برسنے لگا

دل سے جس میں ہے خدہ لگا

میری بارگاہ میں میری مری

ہوئے حاضر اس پر محمد رسول

کہ ولایت ہے جن کی شہادت نزل

میری بارگاہ میں میری مری

جیسے کو دیا عیدہ اقبال کا

کس کردار کوٹہ رش

میری بارگاہ میں میری مری

ہمیشہ سے ابرہہ کی کوف

بیا باب رحمت کا پیران پروا

میری بارگاہ میں میری مری

جو عیدت نبوت ہی تو ہے میری

وعدہ آت و رفت دہائی میری

میری بارگاہ میں میری مری

ابھوں نے دعاں چاہی تیری پہا

بیا ان کو پھر صبر کا بادشاہ

نزدک ہوں دیر تیری

یہ نہہ سراسر سنہار ہے

تو ہی اک کا بارگاہ ہارید

البرسی کے بعد :- دلی میں اہل حق و حقیقت کی بھر مار تھی ۔

سے یاد ہو بڑے جہت میں بیعت میں نصیب ہو گا
میں جہت میں یاد ہو گا منزل پر سفر کی
طرف دم ا

تبعہ جہانگیر۔ سوڈہ مرسل خور کا عہد ہر قویٰ قلم سے تعلق کر رہا ہے۔

[illegible]

حاصل درآمد برابر ۱۰۰ روپے، نقد آسانی سے نقد درآمد ۱۰۰ روپے
 سود بانکی اور ۱۰ روپے بچیر نہیں پڑھنا چاہیے

— — —

[illegible]

١- في سنة ١٢٠٠ هـ في سنة ١٢٠٠ هـ

الحمد لله الذي جعلنا من عباده الصالحين
والذين هم خير خلق الله

عائشہ زہرا بنت ابی بکر صدیق رضی اللہ عنہما

الترشيح إلى مجلس الشورى

است و خدا ملک است حق از محمد و محمد رسول الله

[illegible]

مَنْ لَكَ رُوحُ الْهَيْبِ يَا مُعْتَبِرٌ تَقُولُ وَلَا تُصَارِفْ يَا سَمَاعِيلُ سَمِعْتُ

دردنبار و بختی شیرد، انجمید، علیہ السلام و ملازمہ املائے

سَمَوَاتٍ ۖ بِقُرْ ۖ ثُمَّ سَمَوَاتٍ ۖ هِ ۖ
بَنَاتٍ لَّعَلَّ ۖ بَنَاتٍ لَّعَلَّ ۖ مَا سَمِ

سَمْعًا مُطَاعًا وَحَدَّثَكَ بِقِيَّاتِكَ نَحْنُ وَرِثَاكَ لَسْتُمْ بِمُ

مَنْ نَزَلَ مِنْكُمْ فِي حَرْبٍ فَعَلَيْهِ حِمْلُ يَوْمِهِ الَّذِي يَحْمِلُهُ فِي الْحَرْبِ وَالْحَمْلُ فِي الْيَوْمِ الذِّكْرِ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

وَأَمَّا تِلْكَ الْأَمْثَلُ الَّتِي نَقُصُّ عَلَيْكَ فَأَبْدَعْتَ فِيهَا الْقُلُوبَ لِيَتَذَكَّرَ الَّذِينَ يَسْمَعُونَ

[illegible]

هَذَا تَذَاتُ عَمَلَتُ عَلَيْهِمْ سَلَامٌ يَا بَارِئُ
سَمِيْعُ حَيُّ قَرِيْبٌ قَدِيْمٌ لَا يَمُوتُ لَا يَمْلِكُ
لَهُ مَلَكُوتُ سَمَاءٍ وَتَرْتِيقُ عِلَالٍ وَهُوَ الْغَنِيُّ
الْقَدِيْمُ وَهُوَ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ
شَيْخُ

لَا يَمُوتُ سَلَامٌ عَلَيْكُمْ وَلَا يَمْلِكُ لَكُمْ
مَلَكُوتُ سَمَاءٍ وَتَرْتِيقُ عِلَالٍ وَهُوَ الْغَنِيُّ
الْقَدِيْمُ وَهُوَ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ
الْقَدِيْمُ وَهُوَ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ
الْقَدِيْمُ وَهُوَ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ
الْقَدِيْمُ وَهُوَ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ
الْقَدِيْمُ وَهُوَ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ

ذِي مَنَاحِمَ قَسَمْتُ عَلَيْهِمْ يَا زَلَّالَتُهُ
لُحُوتَاتٍ وَالتَّغْلِيَّاتِ يَا خَدَامُ مَاجِدَةِ الْكُتَابِ
وَأَسَدُونِي دَاغِيْتُوهُ جَمِيْعُ زُمُورِي الرُّحَا لَمَوْفَ الْعُورِ
الْمَوْنُ شَرِيْعَةُ السَّاعَةِ وَهُوَ حَقٌّ سَبْعَ لَدُنِي
وَأَنَا فِي عَمِيْقٍ وَهُوَ سُدُورِي وَأَبْرَارِي بِهَا
وَأَنَا فِي سُدُورِي دَاغِيْتُوهُ الْوُطْرَانِي وَأَبْرَارِي وَخُرْمِي
سَيِّدِنَا مُحَمَّدٍ عَلَيْهِ السَّلَامُ وَهُوَ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ
الْقَدِيْمُ وَهُوَ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ
الْقَدِيْمُ وَهُوَ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ الْغَنِيُّ

تو رب تواریا پیر دھی موں
آپ پر صبا کے فیض وسان

شہرت ہووے جو مہمان ہوا
میں آجی مہمان تھی ہوا

آپ کے ہاتھ کا کھانا
صوبہ بھر میں کھانا

ہر بات کو در حاجی یا نہ
میں کھانوں ہو رہے یہ تو رہی

یارب مشکل کر آسان

نور سب سے پہلے مقصود
وقت شہر میں بھاری ب

روح کو اب جو مودود
دیوہ دتیار ہو رہا ہو شود

خواجہ جیسی اہل سنتیں

حضرت یوسف ناصر الدین

وقت نزع میں آتے جاں

مرد دلیو یوم الدین

یارب مشکل کر آسان

آپ کے در پر نوبت آج

حضرت نسخ ابو محمد حوائج

روہ فقو دا کیا بیان

دس بنی کہ آپ آگایے

یارب مشکل کر آسان

جن کو رب نے کیا مکرم

نور ابو احمد اسد اسد

انہ میری سب اس پر جان

سب اس شوق سے نوارم

یارب مشکل کر آسان

پیشیاں و پور آپ میں مای

سب اس شوق سے نوارم

نرنگہ کرم دلاؤ دان

سب اس شوق سے نوارم

یارب مشکل کر آسان

ما کراں دہر ادکل صبر

سب اس شوق سے نوارم

آپ پر صبا کے فیض وسان

سب اس شوق سے نوارم

یارب مشکل کر آسان

موا ذرب ملک ان لیتن
پے طریقی میری آں سو آن

وہ ے جاد یازا ے حیا زہ
فصل بیان پر رحمان

تاہ ملک بیرون من دی
وہ بلج کے ہیں سلطان
یاد مشکل تر آسان

مصر و مصر و مصر و مصر
مصر و مصر و مصر و مصر
مصر و مصر و مصر و مصر

مصر و مصر و مصر و مصر
مصر و مصر و مصر و مصر
مصر و مصر و مصر و مصر

مصر و مصر و مصر و مصر
مصر و مصر و مصر و مصر
مصر و مصر و مصر و مصر

مصر و مصر و مصر و مصر
مصر و مصر و مصر و مصر
مصر و مصر و مصر و مصر

مصر و مصر و مصر و مصر
مصر و مصر و مصر و مصر
مصر و مصر و مصر و مصر

مصدقہ دے امن امان

رد لے اس دی ہستی

یتدف

ادب متعل نظر آسان

یادگار شکار مرغان

الحمد لله رب العالمين

امنا در مسرتہ منزل با ترتیب

امسا دسورہ میں باب مرتب

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

میں نے اس کے لئے ایک اور نام بھی دیا ہے۔

برای سر ای که در شکم است و در ریه ها هم هست
و در کبد و مثانه و در ریه ها و در کبد و مثانه

و در روز چهارم شوال ۱۲۸۵

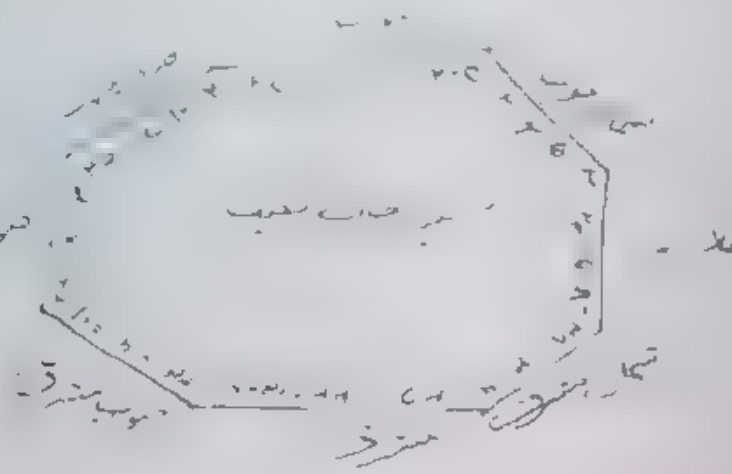
دعا دیں گے اُس کا بھتیہ کسی پیر کا ہر نہ کرے * اگر دشمن کو عدل تک کرنا ہم

[illegible]

نہایت عمدہ و دلورس پر گیارہ درتہ بڑھ کر گٹ میں ڈالیں دس

[illegible]

نقشه صورت حال الغیب که تشریح ما در این کتب است
 به در این مورد به ...
 شروع در تشریح آنرا می باشد که ...



۳ - ۸ - ۱۸ - ۲۵ - ۲۹ - ۳۵
 ۹ - ۱۹ - ۲۹ - ۳۵ - ۳۹ - ۴۵
 رقم در این یامیاد می باشد شروع در ...

| متر | ۱۲ | ۱۹ | ۲۵ |
|------------|----|----|----|
| صورت الغیب | ۱۰ | ۱۲ | ۲۵ |
| شماره | ۱ | ۱ | ۱ |
| صورت الغیب | ۱ | ۱ | ۱ |
| متر | ۱ | ۱ | ۱ |
| شماره | ۱ | ۱ | ۱ |
| صورت الغیب | ۱ | ۱ | ۱ |
| متر | ۱ | ۱ | ۱ |
| شماره | ۱ | ۱ | ۱ |

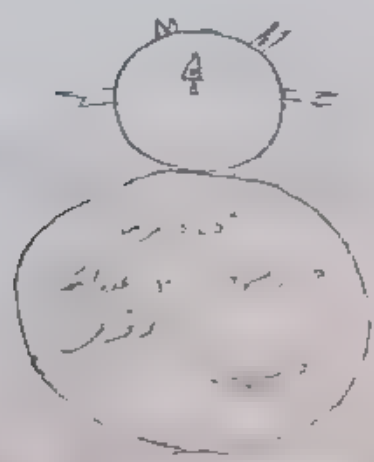
۱۵۳۵ ۱۵۳۶ ۱۵۳۷ ۱۵۳۸
 ۱۵۳۹ ۱۵۴۰ ۱۵۴۱ ۱۵۴۲
 ۱۵۴۳ ۱۵۴۴ ۱۵۴۵ ۱۵۴۶
 ۱۵۴۷ ۱۵۴۸ ۱۵۴۹ ۱۵۵۰

| | | |
|-----|-----|-----|
| ۲۲۴ | ۲۲۵ | ۲۲۶ |
| ۲۲۷ | ۲۲۸ | ۲۲۹ |
| ۲۳۰ | ۲۳۱ | ۲۳۲ |

کتابی است که در این ...
 نام ...

در این کتاب
 ۱۴۰۰ و ۱۴۰۱
 ۱۴۰۲ و ۱۴۰۳
 ۱۴۰۴ و ۱۴۰۵

| | | | |
|------|------|------|------|
| ۱۴۰۰ | ۱۴۰۱ | ۱۴۰۲ | ۱۴۰۳ |
| ۱۴۰۴ | ۱۴۰۵ | ۱۴۰۶ | ۱۴۰۷ |
| ۱۴۰۸ | ۱۴۰۹ | ۱۴۱۰ | ۱۴۱۱ |
| ۱۴۱۲ | ۱۴۱۳ | ۱۴۱۴ | ۱۴۱۵ |



در این کتاب
 ۱۴۰۰ و ۱۴۰۱
 ۱۴۰۲ و ۱۴۰۳
 ۱۴۰۴ و ۱۴۰۵

در این کتاب
 ۱۴۰۰ و ۱۴۰۱
 ۱۴۰۲ و ۱۴۰۳

نصفہ النہا

میں تو ایک کتب خانہ

اور صلیب پر لٹا کر

میں کا یاں اعلیٰ پر وہ تھا

بڑے مردم نکرے - اور میں پہلے

اگر جاسے کہ صلیب میں

بڑے مردم نکرے چاروں طرف

اور صلیب چاہیں گے - دوش

خام ہے - چار ڈیوٹی کے

کئی طرح بھیک دے اور اگر

کے یتیموں پر بچاؤ

اگر کوئی شخص ہمارے

اور ہر نسبت دوش

بھوکے کا دم

دوسرا غروب ہوئے

مرا اور کبھی

دو دھاتی - دو دھاتی

دیکھو میرا شے شاہ کا

| | |
|-------|-------|
| 99822 | 99813 |
| 99812 | 99811 |
| 99810 | 99809 |
| 99808 | 99807 |

اس کے ساتھ

اس کے ساتھ

قد شفقاً حباً کے لئے محمد صلی اللہ علیہ وسلم کا سر 21 دفعہ پڑھو

کا سر 21 دفعہ پڑھو، پھر سر کو ملا دیں

مرفقہ پہلی اور آخری مرتبہ پڑھو 5 یا 11 دفعہ پڑھو

سے شروع رکے منہ میں میٹھی جسر رکھ جائے ایک دو شفقہ منہ

Handwritten signature or mark at the bottom left.

وہاں سے بھی وہاں سے
وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے

نیل موہن

وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے

وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے

وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے

وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے

مستطاب حضرت مولانا محمد رفیع الرحمن صاحب مدظلہ العالی

[illegible]

تہمت الہی
سین مربع

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| ۱۰ | ۱۱ | ۱۲ | ۱۳ | ۱۴ | ۱۵ | ۱۶ | ۱۷ | ۱۸ | ۱۹ | ۲۰ | ۲۱ | ۲۲ | ۲۳ | ۲۴ | ۲۵ | ۲۶ | ۲۷ | ۲۸ | ۲۹ | ۳۰ | ۳۱ | ۳۲ | ۳۳ | ۳۴ | ۳۵ | ۳۶ | ۳۷ | ۳۸ | ۳۹ | ۴۰ | ۴۱ | ۴۲ | ۴۳ | ۴۴ | ۴۵ | ۴۶ | ۴۷ | ۴۸ | ۴۹ | ۵۰ | ۵۱ | ۵۲ | ۵۳ | ۵۴ | ۵۵ | ۵۶ | ۵۷ | ۵۸ | ۵۹ | ۶۰ | ۶۱ | ۶۲ | ۶۳ | ۶۴ | ۶۵ | ۶۶ | ۶۷ | ۶۸ | ۶۹ | ۷۰ | ۷۱ | ۷۲ | ۷۳ | ۷۴ | ۷۵ | ۷۶ | ۷۷ | ۷۸ | ۷۹ | ۸۰ | ۸۱ | ۸۲ | ۸۳ | ۸۴ | ۸۵ | ۸۶ | ۸۷ | ۸۸ | ۸۹ | ۹۰ | ۹۱ | ۹۲ | ۹۳ | ۹۴ | ۹۵ | ۹۶ | ۹۷ | ۹۸ | ۹۹ | ۱۰۰ |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|

بعد شریعت یا احد مقامات مغربہ

ادنیٰ و اعلیٰ و درجہ و تہذیب

سنة الحمد للہ میں بعد تک پیر و درجہ پیر و درجہ پیر یا شدہ یا مستوف
سید بیوگا اور خودیچہ کہے کا فتویٰ بریل سے لیا گیا ہے وہ مستوف
تھوہر فرغینہ بدو تو للہ الحمد للہ بعد سارے سارے سید مار ٹیڑھے اور مستوف
ن کرے بیوگا دے سے سید خیریاں بیوگا

جن دانسی کی تسبیح

تو آ رہے ہندو اللہ الحمد سادات بعد تک شریعت

سب اور سادات سید بیوگا کے اور خودیچہ سوا جاہلی یا تو ہر مانگے ہر دین
علوم تہذیب حاصل کرے گا طریقہ

یا بعد تک پیر و درجہ سادات ہزار بار ٹیڑھے
بے شخص عیب سے پیدا ہو کر آئے اسی نور سے بچے

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| ۱۷ | ۱۸ | ۱۹ | ۲۰ | ۲۱ | ۲۲ | ۲۳ | ۲۴ | ۲۵ | ۲۶ | ۲۷ | ۲۸ | ۲۹ | ۳۰ | ۳۱ | ۳۲ | ۳۳ | ۳۴ | ۳۵ | ۳۶ | ۳۷ | ۳۸ | ۳۹ | ۴۰ | ۴۱ | ۴۲ | ۴۳ | ۴۴ | ۴۵ | ۴۶ | ۴۷ | ۴۸ | ۴۹ | ۵۰ | ۵۱ | ۵۲ | ۵۳ | ۵۴ | ۵۵ | ۵۶ | ۵۷ | ۵۸ | ۵۹ | ۶۰ | ۶۱ | ۶۲ | ۶۳ | ۶۴ | ۶۵ | ۶۶ | ۶۷ | ۶۸ | ۶۹ | ۷۰ | ۷۱ | ۷۲ | ۷۳ | ۷۴ | ۷۵ | ۷۶ | ۷۷ | ۷۸ | ۷۹ | ۸۰ | ۸۱ | ۸۲ | ۸۳ | ۸۴ | ۸۵ | ۸۶ | ۸۷ | ۸۸ | ۸۹ | ۹۰ | ۹۱ | ۹۲ | ۹۳ | ۹۴ | ۹۵ | ۹۶ | ۹۷ | ۹۸ | ۹۹ | ۱۰۰ |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|

کہ جس علم کی طرف کرے گا وہ کل حاصل ہوگا یمنیا و یمنیا و یمنیا و یمنیا
موجود ہے حاصل کرے کہ اس طرح شکل کو کہو کہ انیل نازد ہر اندھے تو ہو
بے شخص عیب سے پیدا ہو کر یہ سب علوم سکھائے گا

تو اس طرح شکل میں ہو اور کھائے کی حاجت ہو
تو دیا جائے یا پتا ہو تو کیا بار اسم کو ٹیڑھے جو صیر

وَمِنْ مَلَكٍ رَحِيمٍ
 إِنَّا أَنزَلْنَاهُ فِي لَيْلَةِ الْقَدْرِ
 وَإِلَّا تَرَى فِي سَمَاءِ الْقَدْرِ
 سَحَابًا مَّظْمُومًا
 فَالْقَدْرُ لَيْلَةٌ كَانَتْ الْقَدْرُ
 لَيْلًا مَّظْمُومًا
 فَالْقَدْرُ لَيْلَةٌ كَانَتْ الْقَدْرُ
 لَيْلًا مَّظْمُومًا

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

الْقَدْرُ لَيْلَةٌ كَانَتْ الْقَدْرُ
 لَيْلًا مَّظْمُومًا
 فَالْقَدْرُ لَيْلَةٌ كَانَتْ الْقَدْرُ
 لَيْلًا مَّظْمُومًا
 فَالْقَدْرُ لَيْلَةٌ كَانَتْ الْقَدْرُ
 لَيْلًا مَّظْمُومًا
 فَالْقَدْرُ لَيْلَةٌ كَانَتْ الْقَدْرُ
 لَيْلًا مَّظْمُومًا
 فَالْقَدْرُ لَيْلَةٌ كَانَتْ الْقَدْرُ
 لَيْلًا مَّظْمُومًا

بہشتی ہے جس پر علی سرم اللہ محمد صلی اللہ علیہ وسلم اور
 ان کے پیروں پر سلام ہے۔ یہ دعا ہے جو ہر روز پڑھ کر
 اس کی حاجت حاصل ہوگی۔

عبداللہ کا ترجمہ ہے: اے اللہ! میری حاجت حاصل ہو
 کہ میں اپنے گناہوں سے باز رہوں اور میری زندگی
 خیر سے ختم ہو۔ آمین۔

اللَّهُمَّ يَا مُنْفِعَ مُنْفَعٍ يَا مُسْتَسْتَعِيلَ يَا مُسْتَعِيلَ
 يَا مُسْتَعِيلَ يَا مُسْتَعِيلَ يَا مُسْتَعِيلَ

پڑھنے کی ترکیب

یہ دعا ہر روز اذان کے بعد پڑھنا چاہئے۔ اس کی ترکیب
 یہ ہے کہ اس دعا کو پڑھ کر پھر دعا پڑھ کر پھر دعا پڑھ کر

اللہ بڑی رحیم

یہ دعا ہے جو ہر روز پڑھ کر اس کی حاجت حاصل ہوگی۔
 اللہ بڑی رحیم ہے۔ اس دعا کی ترکیب یہ ہے کہ اس دعا کو
 پڑھ کر پھر دعا پڑھ کر پھر دعا پڑھ کر۔

۳۰ - در حال رسیدن حضرت به مسجد نبوی صلی الله علیه و آله .

جائے گا جس کو طلب کرے گا

| | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|
| 10 | 20 | 30 | 40 | 50 | 60 | 70 |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |
| 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 |

سایب بچہ سکنر مت حار ہوں گے اور حو حکم کرے گا مال شے

ہوں گے اور ہمارا حکم دے گا چلے جائیں گے اور اگر کسی سائپ سے کتا ہو تو اللہ تعالیٰ
بعد دیر کے زیادہ بار بیڑ کا کرم نہ کرے تو نہ بددع ہوگا

اللہ تعالیٰ نے شیگر ٹری پیرنگ ٹرگادہ مار دم کر کے زمین پر

بار سے تو آتش عظیم پیدا ہوئی اور اگر کسی کے گھر آگ خٹکانی ہو

۱۰۰
 چارواکے چاک پریشو ماردم ترے جس گھر میں ڈر ہے اس کا گھر

۱- کوه سحر و صافیه را به تو دو بار پڑه کن تا کسی نداند

الله

Handwritten Urdu text and a diagram. The text includes "اللہ" (Allah), "عصی" (Esi), and "وہ ہیں اس کا" (Wo hain us ka). The diagram shows a vertical line intersecting a horizontal line, with "عصی" written near the intersection and "وہ ہیں اس کا" written below it.

۱. انیسویں محنت = نصف عمر ہے۔

میں تصویر کو نقشہ ایچ دیا آگ پر سجدے میں۔

میں نے یہ سب کچھ لکھ کر اپنے دوستوں کو دکھایا۔
 انہوں نے بھی اس پر ہنس مچایا۔
 میں نے کہا کہ یہ سب کچھ سچ ہے۔
 انہوں نے کہا کہ یہ سب کچھ جھوٹ ہے۔
 میں نے کہا کہ یہ سب کچھ میری زندگی ہے۔
 انہوں نے کہا کہ یہ سب کچھ میری زندگی ہے۔

۱۰۰۰

نیکو دین و
عزت و
خوب بین شرمسار

| | | |
|---|---|---|
| 4 | 2 | 1 |
| 9 | 5 | |
| 8 | 7 | 6 |

Ayumu

تو به من بگو که چه کاره ای هستی؟

1. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 2. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{4} = \frac{1}{8}$
 3. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{4} = \frac{1}{16}$
 4. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{8} = \frac{1}{16}$
 5. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{8} = \frac{1}{32}$
 6. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{8} = \frac{1}{64}$

چند روز بعد میں بارش دینا شروع ہو گیا۔

[illegible]

وہ کہ وہ بھائی کے لئے یا بھارت کے لئے قربان ہو جائے گا، مگر میں اسے ہٹا دیتا ہوں۔

| | | | |
|---|---|---|---|
| 9 | 6 | 8 | 7 |
| 7 | 5 | 4 | 3 |
| 6 | 4 | 2 | 1 |
| 5 | 3 | 1 | 0 |

بسم الله الرحمن الرحيم

| | | |
|---|---|---|
| 2 | 2 | 4 |
| 9 | 6 | 1 |
| 7 | 7 | A |

[illegible]

[illegible]

مجلس عمومی - ۱۳۳۵ - ۱۳۳۶

۱۳۔ تربعات میں کیا کرنا۔
تربعات کہہ کر سماع میں شرح شرح کی تربعات
کہانے اور دھتوں سے جبرہ کھائے اور کھلے

دھماکے اور دھتوں سے جبروت کھائے اور کھلا ہے
 اوسریاں وہی مادہ عین تحقیق متین کر دے تو اللہ القہ ٹھیکری پر عمر کی مبادت میں
 مغن کر کے در زمین میں دھن کر کے وہی حال کل جبریل میں ہوا جانشین
 اور ان کے سر پر ایسا ہے تو ٹھیکری کر زمین سے نکلے

لعلہ و لعلہ میں شل جری دیا گیا
اور میں بھی رقم سے پہنچا یا سلی کا نام

[Faint handwritten notes]

میں نے یہ سب غم میں گزر جائیں

نمک سے سیرکریٹک میں جا کر

پچھلے دور پر عمل کو پرستد کرتے۔

نموده که در کتب و رساله های قدما

روزگار در هر حال

اور مجھے قبلہ میں اور قبلہ میں تھیں (اے لوگو)

اور کتبہ قورچا میں واقع مہبہ سے

تاریخ ۱۳۰۲

اور نیک بختی سے ہمہ جہہ میری فرسوائی و

اور میرا دست چرخ کی سی پیڑی پر ہے جس سے وہ گھومتا ہے

62124

اور میں مسعود بنفہ کی کو انجیل اللہ تعالیٰ کی طرف سے

1. *Staphylinidae* (beetles)
 2. *Curculionidae* (weevils)
 3. *Chrysomelidae* (leaf beetles)
 4. *Scarabaeidae* (scarab beetles)
 5. *Longhorn beetle* (Cerambycidae)
 6. *Beetle* (Coleoptera)

[illegible][illegible]

سات سو نو تک ہر روز پانچ ہزار بار پڑھے
مومن سیار کار کا الترا جانے گا

سارا حق دینا دانا سب قرض اللہ القہر مع ہی عازرے بندہ سوباز ٹبر
حق مزاج ہوگا اور قرض ادا ہو جائے گا زیادتی دولت سے واسطے
یہ مشکل کچھ کر دے گھر یا سب میں رہے زیادہ ہوئی

$\begin{array}{|c|c|c|c|} \hline 9 & 2 & 9 & 4 \\ \hline 10 & 12 & 9 & 4 \\ \hline 10 & 11 & 9 & 4 \\ \hline 10 & 12 & 9 & 4 \\ \hline \end{array}$

[illegible]

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|

اسلامی مکتبہ میں بہت سی کتابیں ہیں جن کا تقسیم ہونا چاہیے۔

تقسیم صرف چار سو کرنی ہے

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|

کئی کئی کتابیں ہیں جن کا تقسیم ہونا چاہیے۔
 سب سے گویا یہ ہے چہرہ دیو سے چہرہ جی
 اور اوقات میں تمام کتابیں
 تقسیم ہونے لگیں گی۔

فرد نه مردان حق در صلبش تاب عشق
 دشت عشق را نغمه پیر محام به
 هم بطن منبه نغمه پیر محام به
 مرد جوان عزیزم غوغا صفت شهرت
 بار نایب قدم به روی خود و عدم
 مرد جوهر الانام بر سر دشت مقام
 مادر ملک جای من بر سبک بر بابایان
 شمع وجودم فروزنده آتش نورم لبش
 به سرورم نه محبت نورم دهنم به ۵

بخش باقر غلام صاب محمد مریم
بار صلوة و سلام نبوی و میراث آف

هست عفو رشید و ملک جلاله شهبان افراس
 شربت به ایمان من خالی من عاشق
 باد بهشت نشید به بهشت - بهشت
 و به بهشت بر دست بهشت - بهشت
 به بهشت و به بهشت - بهشت
 تار به فیض عالم شد عشق بهشت
 به بهشت و بهشت من بهشت و ایمان
 به بهشت و بهشت و بهشت و بهشت
 عین به بهشت و به بهشت و به بهشت

مردمان و

[illegible]

لنسی کیا سرائے روحانی امراض

مرث شیلی رختہ اللہ علیہ سے ایک حکیم سے کہا
 ”مجھے گناہوں کا مرض پڑا ہے اس کی دوا بھی آپ کے پاس ہو تو عنایت کیجئے۔“

ہاں یہ باتیں ہو رہی تھیں اور سامنے میدان میں ایک شخص ننگے چلتے ہیں مہر وہ
 قماربازوں کے سر پر شاکر کہا:

جو تجھ سے ڈر گئے ہیں وہ ننگے چلتے ہیں

”شیلی! ہاں آؤ میں اس کی دوا بنانا ہوں۔ عیا کے پھول۔ صبر شکر کے پھل

عجز و نیاز کے جڑ۔ غم کی کونسل۔ سہائی کے درخت کے پتے۔ ادب کی پھال۔

تسلی اخلاق کے بیج۔ ہر سب سے گریباست کے تاؤں دستہ میں کو شاکر شروع

کرو اور رشک پیمانی کا عرق ان میں روز ملانے رہو۔ ان سب کو دل

کی دیگی میں سر کر شوق کے چولہے پر پکاؤ۔ جب پک کر تیار ہو جائے

تو صفائے قلب کی صاف میں چھان لینا اور شیریں زبان کی شکر ملا کر محبت

کی تیز آغ دینا۔ حسن وقت تیار ہو کر مرنے تو اس کو خوف خدا

کی ہوا سے ٹھنڈا کرتے استعمال کرنا۔“

مرث شیلی:۔ ”دعاؤ شاکر دیکھا وہ دلوں میں غائب ہو چکا تھا

وہ ہو چیتے تھے دوائے دل

وہ دوا کاں اپنی بڑھا گئے

۱۴۳۴
 ۱۴۳۵
 ۱۴۳۶
 ۱۴۳۷
 ۱۴۳۸
 ۱۴۳۹
 ۱۴۴۰
 ۱۴۴۱
 ۱۴۴۲
 ۱۴۴۳
 ۱۴۴۴
 ۱۴۴۵
 ۱۴۴۶
 ۱۴۴۷
 ۱۴۴۸
 ۱۴۴۹
 ۱۴۵۰
 ۱۴۵۱
 ۱۴۵۲
 ۱۴۵۳
 ۱۴۵۴
 ۱۴۵۵
 ۱۴۵۶
 ۱۴۵۷
 ۱۴۵۸
 ۱۴۵۹
 ۱۴۶۰
 ۱۴۶۱
 ۱۴۶۲
 ۱۴۶۳
 ۱۴۶۴
 ۱۴۶۵
 ۱۴۶۶
 ۱۴۶۷
 ۱۴۶۸
 ۱۴۶۹
 ۱۴۷۰
 ۱۴۷۱
 ۱۴۷۲
 ۱۴۷۳
 ۱۴۷۴
 ۱۴۷۵
 ۱۴۷۶
 ۱۴۷۷
 ۱۴۷۸
 ۱۴۷۹
 ۱۴۸۰
 ۱۴۸۱
 ۱۴۸۲
 ۱۴۸۳
 ۱۴۸۴
 ۱۴۸۵
 ۱۴۸۶
 ۱۴۸۷
 ۱۴۸۸
 ۱۴۸۹
 ۱۴۹۰
 ۱۴۹۱
 ۱۴۹۲
 ۱۴۹۳
 ۱۴۹۴
 ۱۴۹۵
 ۱۴۹۶
 ۱۴۹۷
 ۱۴۹۸
 ۱۴۹۹
 ۱۵۰۰

۱۴۹۹
 ۱۵۰۰

۱۴۹۹
 ۱۵۰۰

۱۴۹۹
 ۱۵۰۰

یہ مہمیں ہیں جن کے لیے مرقیہ میں ملے ہیں۔
یہ مہمیں ہیں جن کے لیے مرقیہ میں ملے ہیں۔

بعض بنی قریظ کہ ملنے کو: فقرا یسار الوار سے دوستی میں ہوتے ہیں اور وہ

۱۹۱۱ء کا شمار

۷۰۰ مقرر = ایک سو گیارہ بار

نہ جانے کون سا ملک ہے جس کا نام ہے (۱)۔
 یہی وہ ملک ہے جس کا نام ہے (۲)۔
 یہی وہ ملک ہے جس کا نام ہے (۳)۔
 یہی وہ ملک ہے جس کا نام ہے (۴)۔
 یہی وہ ملک ہے جس کا نام ہے (۵)۔
 یہی وہ ملک ہے جس کا نام ہے (۶)۔
 یہی وہ ملک ہے جس کا نام ہے (۷)۔
 یہی وہ ملک ہے جس کا نام ہے (۸)۔
 یہی وہ ملک ہے جس کا نام ہے (۹)۔
 یہی وہ ملک ہے جس کا نام ہے (۱۰)۔

بسم الله الرحمن الرحيم

474

491

9-20-28

41319142222

19989121

الطاهر بن أحمد

الحمد لله الذي هدانا لهذا الذي كنا لنهتدي لولا أن هدانا الله

میں نے اسے فراموش کر دیا

و در شهر مبادی گردن شد .

فيمن للفكر من الشجرات من القضاة

المسقطه من الذهب والفضة والبر

هو الله تعالى وحده لا شريك له

وَاللَّهُ يَكْفُرُ عَنْ ذُنُوبِهِمْ أَلَمْ يَكُنْ لَهُمْ لَكَفِيرًا

الرجاء الرجاء الرجاء الرجاء

۲۱ دہائی بریل کو معیار کے ساتھ یاد رکھیں

دین محمد علی

۱۰۰

1907

لیدی عمر 3

| | | |
|---|---|---|
| 6 | 8 | 1 |
|---|---|---|

تقوم ہر ۶ | شیخ محمد علی

12

$\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

جانب اولیٰ | لابریسی

1000

10/10/10

میرزا

فائل اس کا ذکر جاتا ہے

3-6-9-11-12

300 1-10 J

الحمد لله 12 vol

۱۰۰

11

| | | | | |
|-----|-----|-----|-----|-------|
| عبد | سید | اسد | نور | فاطمہ |
| ۶ | ۵ | ۶ | ۶ | ۶ |
| ۲۱ | ۲۱ | ۲۱ | ۲۱ | ۲۱ |
| ۶ | ۶ | ۶ | ۶ | ۶ |
| ۲۱ | ۲۱ | ۲۱ | ۲۱ | ۲۱ |
| ۶ | ۶ | ۶ | ۶ | ۶ |
| ۲۱ | ۲۱ | ۲۱ | ۲۱ | ۲۱ |

مستطیل
در تمام کتب
مستطیل

۱- کعبه بدون شیبه بدون محراب و منبر و کتیبه و دیواره گرد و
 ۲- راس میانه گرد و منبر و کتیبه و کعبه حاضر شود
 ۳- حاضر شود حاضر شود مانع فرمان شود و العجل و العجل
 ۴- العجل العجل العجل العجل العجل العجل العجل العجل

نمونه ای دینی بر یک کورسید
به کل دین تکجلی

في اسم الله العظيم انك تعلم

| | | | |
|---------------------------|---------------------|------------------|-------------------|
| بیج کدو کنار نمبر ۱۲ | لبرک سنگا ۱۳ | مشرک دیوی نمبر ۳ | مشرک دیوی نمبر ۱۶ |
| مشرک دیوی نمبر ۷ | بیج عدس نمبر ۱۲ | بیج ذوق نمبر ۶ | بیج عدس نمبر ۶ |
| گلدر نمبر ۴ | پودری و سفوف نمبر ۱ | بیج لجاو نمبر ۵ | لا جوئی نمبر ۱ |
| بیج کدو بیج اداسو نمبر ۱۱ | دودلی نمبر ۸ | گسی کدو نمبر ۱۵ | مشرک دیوی نمبر ۱۵ |

۱۰) چار ادویہ کو گھن کر سہ پیرنگاش اکس کاڈ پر جاتا دسے گا

یعنی ذمہ اشرافیتیں کدے کا حملہ اعداد یہ ہیں: 3-6-9-16

③ تفسیر عالم کے لیے حار ادوار

11-8-4-1

ہم بطین علی سید اک نور دین
 ہم بطین امیر سید بادشاہ میرزا
 ہم بطین امین فرید ماخص دین
 ہم بطین شیخ طوطی قلم میرزا
 یاد بیت تشکاف میرزا میرزا
 ہم بطین دگر عبد القادر انور
 ہم بطین امیر شیخ محمد میرزا
 کفہ ساقا مزار برش بدین کرم
 ہم بطین سید عبد القادر میرزا
 ہم بطین جناب سید الوصل
 ہم بطین سید شہزاد بن السیاد
 ہم بطین سید سید عبد البرز
 ہم بطین سید سید ما عظمیٰ
 ہم بطین سید سید قمر
 ہم بطین سید سید صاحب
 ہم بطین سید سید عبد ربہ بخش
 ہم بطین سید سید شاہ طوط
 نسبت بہر دو چہک غرق فریا دریں
 ہم بطین سید سید امک الله است
 سار مشرف مرا نیز اشرف قبول
 ہم بطین دلی صوفی شیر علی
 قوت دین و جان من بخش بدتر خفی
 ہم بطین علی شاہ چراغ علی
 نور جمال صفت ہم بہ چراغ نور
 ہم بطین جناب قطب علی ما جناب
 حامی دین مبین قبلہ ارمایہ دین

من نور امیر در عہد نورانیات
 بہر سبب دستگیر از پیش بخت و شان
 کور قمر ہم قمرین دوزخ قمر ہم مران
 تاج سیراد سید شیر کبیر
 تا قیامت بخش علفہ بہر معاد
 سوخت زبانا نظر ہم بکنی معقول
 مال آہ ہزارا قمر صاحب علیہ دین
 مرش قریا عقد مراد در جزا مہمان
 روز قیامت مدد در صفت بیگانگان
 زود بر آفتاب نقاب از رخ غور شد نشان
 فکر قمر ہم بدین دگر خود در رسد
 از عین جانرا رودی مادر رسد
 نور صفا بر نشان بر سر طفا مہمان
 حمد نشانے حرام از عید دگران
 بخش مرا نیز ہم و صفت پسندیدگان
 شرف نبات قدم قوت بازوے جان
 حضرت عتقاے قرب حاضر عرش آشیان
 خاک نہایت فلک دروہن دشمنان
 حضرت سلطان مانا نور پیلان
 بخش زشت صوفی و شیطانیان
 ولایت راز جلی کاشف ستر نیچان
 قوت ایمان من روئے نور دین توان
 خادم اور ہر دلی پیشرو صوفیان
 عطر وصال گلم بہسم بہ مانم جہان
 مست بہ جام شراب بہت بحق غروشان
 کعبہ من البیت آمدہ عقبہ زمان

سیدہ اخترہ شرح مسامی سے لکھ کر سر سون سے پہل میں مل کر سے سری عالش کیر سے سے
 دماغ شہزادہ جہان سے

